उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

हरिद्वार, देहरादून से प्रसारित

मनस्वी वाणी

केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

राष्ट्रवादी विचारधारा को समर्पित दैनिक समाचार पत्र

आपका विश्वास हमारी पहचान

वर्ष: 4 अंक : 213 पृष्ठ : 06 मूल्य 2 रुपये देहरादून, शनिवार 28 फरवरी, 2026 UTTHIN/2022/84700 manasvivani@gmail.com @manasvi_vani 8285002838

बिजली दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव, बोले उपभोक्ता–यूपी में कई साल से नहीं बढ़े तो यहां हर साल क्यों?

मनस्वी वाणी संवाददाता

देहरादून। प्रस्तावित बिजली दरों में बढ़ोतरी के प्रस्ताव पर नियामक आयोग पहुंचे उपभोक्ताओं ने कहा कि यूपी में पांच साल से बिजली के दामों में बढ़ोतरी नहीं हुई है लेकिन उत्तराखंड में हर साल क्यों की जा रही है। उद्योग प्रतिनिधियों ने जहां इसे उद्योगों के लिए घातक करार दिया तो आम उपभोक्ता भी आयोग के समक्ष नाराज नजर आए।

शुक्रवार को उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग के सुनवाई कक्ष में आयोग अध्यक्ष एमएल प्रसाद, सदस्य तकनीकी प्रभात किशोर डिमरी और सदस्य विधि अनुराग शर्मा ने प्रस्तावित नई विद्युत दरों पर जनसुनवाई की।जनसुनवाई में पहुंचे यशवीर आर्य, उम्मेद सिंह, रमेश जोशी, प्रदीप सती समेत कई प्रतिनिधियों ने कहा कि यूपी में कई वर्षों से बिजली के दाम नहीं बढ़ लेकिन यहां बार–बार बढ़ाए जा रहे हैं। जनसुनवाई में पूर्व अधिकारी एसएम बिजल्वाण ने कहा कि लाइन हानियों को कम करने, विभागों से वसूली करने के बजाए आम उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ाया जा रहा है। यूकेडी की प्रतिनिधि मीनाक्षी घिल्डियाल ने स्मार्ट मीटर से स्वतरू कनेक्शन लोड बढ़ाने को लूट करार देते हुए रोकने की मांग की। हालांकि मामले में यूपीपीसीएल प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि यूपी में राज्य सरकार सब्सिडी देती है, जिस कारण दरें नहीं बढ़ती लेकिन उत्तराखंड में ऐसा प्रावधान नहीं है।

76 प्रतिशत उद्योग आ गए हैं खतरे में

जनसुनवाई में उद्योग प्रतिनिधि राजीव अग्रवाल ने कहा कि यूपीसीएल और पिटकुल हमें चूना लगा रहे हैं। तीनों ऊर्जा निगम पूंजीकरण का खेल खेल रहे हैं, जो उद्योगों पर भारी साबित हो रहा है। इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने कहा कि एलटी टैरिफ में हम यूपी, हिमाचल से आगे हैं। सरकारी उपक्रमों से बिल वसूली न करके यूपीसीएल उद्योगों पर बोझ बढ़ा रहा है। मांग की कि बढ़ोतरी न की जाए, इससे पलायन बढ़ रहा है। उद्योग प्रतिनिधि पवन अग्रवाल ने कहा कि हमें अपना टैरिफ यूपी से डेढ़ से दो रुपये सस्ता करना होगा, तभी उद्योग यहां आएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ही 30 पैसे सेस, 10 पैसा रॉयल्टी और 60 पैसा वाटर टैक्स के नाम पर उपभोक्ताओं से ले रही है। इसी से टैरिफ का समायोजन किया जाए। उद्योग प्रतिनिधि डॉ. हरेंद्र गर्ग ने कहा कि राज्य में 76 प्रतिशत उद्योग ऐसे हैं जो कि थर्ड पार्टी जनरेटर यानी

दूसरों के लिए काम करते हैं। 20 साल पहले उन्हें जो मेहनताना मिलता था, आज भी वही मिलता है जबकि बिजली के दामों में भारी उछाल आ चुका है। मांग की कि बढ़ोतरी न की जाए वरना उद्योगों से जुड़े आठ लाख से अधिक कर्मचारी बेरोजगारी के खतरे में आ जाएंगे।

स्मार्ट मीटर में गड़बड़ लगे तो तुरंत बताएं, चेक मीटर लगाएंगे

स्मार्ट मीटर को लेकर भी उपभोक्ता खफा नजर आए। कई उपभोक्ताओं का कहना था कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद से उनका बिल लगभग दोगुना हो गया। हालांकि यूपीसीएल प्रतिनिधियों का कहना था कि अगर किसी के स्मार्ट मीटर में कोई गड़बड़ी लग रही है तो वह यूपीसीएल को बताए, चेक मीटर लगाया जाएगा। यूपीसीएल प्रबंधन ने स्मार्ट मीटर को लेकर सुझाव भी मांगे। पहली बार आयोग में इतनी भीड़ उमड़ी।

कांग्रेस में कार्यकर्ताओं की सिपाही नहीं कमांडर बनने की चाह, पीसीसी में पद के लिए लंबी सूची

मनस्वी वाणी संवाददाता

देहरादून। सत्ता में वापसी के लिए कांग्रेस को इस समय मजबूत कार्यकर्ताओं की जरूरत है। लेकिन कार्यकर्ताओं की सिपाही के बजाय कमांडर बनने की चाह है। यह वजह है कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) में पद के लिए लंबी सूची है।

कांग्रेस हाईकमान चाहती है कि 2027 चुनावी मुकाबले के लिए सदी हुई टीम हो, जिसमें ऊर्जावान व दमदार नेता शामिल हो। वर्ष 2022 से पीसीसी का गठन नहीं हुआ है। पूर्व अध्यक्ष प्रीतम सिंह के कार्यकाल में प्रदेश कार्यकारिणी बनीं थीं, जिसमें दो सौ से अधिक पदाधिकारी बनाए गए थे। उसके बाद अध्यक्ष तो बदले गए पीसीसी में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अध्यक्ष पद रहते हुए करन माहरा ने नई टीम बनाने का प्रयास किया। लेकिन हाईकमान ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। पुरानी टीम के सहारे ही लोकसभा चुनाव, मंगलौर, बदरीनाथ व केदारनाथ विधानसभा में उपचुनाव लड़े गए। कांग्रेस मंगलौर व बदरीनाथ सीट जीतने में सफल रही। हाईकमान ने प्रदेश कांग्रेस की कमान गणेश गोदियाल को सौंपी है।

16 नवंबर 2025 को गोदियाल ने पदभार ग्रहण किया। अभी तक पीसीसी का गठन नहीं हो पाया। दिल्ली में पीसीसी पर कई दौर की बैठक भी हो चुकी है। सूत्रों के अनुसार हाइकमान ने छोटी व सदी हुई टीम बनाने की रणनीति बनाई है। जिन नेताओं को प्रदेश कांग्रेस में पद दिया जाएगा, उनकी जिम्मेदारी भी तय होगी। लेकिन प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेताओं ने पीसीसी के लिए अपनी–अपनी सूची दी है। इससे पीसीसी का गठन भी लटका हुआ है।

गोल्डन कार्ड के चिकित्सा दावों में मरीज से फीडबैक फार्म लेना अनिवार्य, अस्पतालों को निर्देश जारी

मनस्वी वाणी संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के कर्मचारियों व पेंशनरों के कैशलेस इलाज के लिए संचालित राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना (गोल्डन कार्ड) में अस्पतालों को चिकित्सा दावों में अनिवार्य रूप से मरीज से डिस्चार्ज होने पर फीडबैक लेना होगा। इस संबंध में राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण ने सभी सूचीबद्ध अस्पतालों को दिशानिर्देश जारी किए।

राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के अध्यक्ष अरविंद सिंह ह्यांकी ने बताया कि प्राधिकरण ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना व अटल आयुष्मान उत्तराखंड योजना के तहत उपचारित होने वाले मरीजों से डिस्चार्ज के समय फीडबैक फार्म भराया जाता है, जिसमें मरीज से उपचार अवधि की सारी जानकारियां व फीडबैक ली जाती है। यह फार्म

संबंधित अस्पतालों को बिल के साथ अनिवार्य रूप से जमा करना होता है। राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना (गोल्डन कार्ड) के मामलों में भी फीडबैक फार्म की व्यवस्था अनिवार्य कर दी गई है। उन्होंने बताया कि एजीएचएस के कई लाभार्थियों को यह पता नहीं होता कि उनके उपचार के लिए क्या प्रक्रिया की गई, कौन सी जांच हुई और उपचार पर कितना खर्च हुआ है। फीडबैक फार्म में अस्पताल बिना कोई धन लिए कैशलेस उपचार देने एवं उपचार की गुणवत्ता से लेकर उपचार की प्रक्रिया, प्रयुक्त दवाईयां, जांचें व कुल उपचार व्यय का विवरण मरीज को दिए जाने संबंधी अन्य सभी जानकारियां दर्ज होंगी।

अब अस्पतालों को अपने चिकित्सा दावों के साथ लाभार्थी का हस्ताक्षर युक्त फीडबैक फार्म भी जमा कराना होगा, जिसे दावे के साथ जमा न किए जाने की दशा में चिकित्सालय को भुगतान नहीं किया जाएगा। प्राधिकरण के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में चेयरमैन ने निर्देश दिए गए कि दावों के परीक्षण के दौरान उक्त अनिवार्य फीडबैक फार्म की उपलब्धता होने पर ही दावों पर विचार किया जाए। उपचारित लाभार्थी को रेंडम आधार पर फोन कर उपचार संबंधी फीडबैक फार्म की जानकारियों की पुष्टि भी जाएगी।

प्रदेश में पांच लाख से अधिक हैं एसजीएचएस कार्ड धारक

राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना के तहत राजकीय व स्वायत्तशासी कार्मिकों व पेंशनर्स को अंशदान व्यवस्था के आधार पर सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। प्रदेश में करीब 5.16 लाख एसजीएचएस कार्ड धारक हैं। 1.73 लाख मरीजों ने अस्पतालों में भर्ती होकर योजना की कैशलेस उपचार सुविधा का लाभ उठाया है। योजना के आरंभ से अब तक इस असीमित कैशलेस उपचार सुविधा पर 641 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि खर्च हुई है। वहीं ओपीडी में 1.83 लाख दावों के सापेक्ष 300 करोड़ का खर्च हुआ है।

नए स्वरूप में नजर आएगा जल संस्थान कार्यालय

नैनीताल। जल संस्थान कार्यालय शीघ्र ही नए स्वरूप में नजर आएगा। अधिशासी अभियंता रमेश सिंह गर्ब्याल के के निर्देश पर नगर पालिका कार्यालय की पुरानी फाइलों समेत अन्य निष्प्रयोज्य सामग्री को पंप हाउस स्थित कक्ष में शिफ्ट किया जा रहा है। अधिशासी अभियंता ने बताया कि कार्यालय में 1970 के दशक की फाइलें आदि पड़ी हुई हैं जबकि वर्ष 2007 के बाद का डाटा डिजिटल सुरक्षित किया जा चुका है। ऐसे में बहुत पुरानी फाइलें निष्प्रयोज्य सी हो गई हैं। हॉल ही में पंप हाउस में बने भवन परिसर में विशेष स्थान तैयार किया गया, जहां फाइलों को सुरक्षित रखा जा रहा है। शीघ्र ही शिफ्टिंग कार्य पूरा कर लिया जाएगा। हॉल ही में कार्यालय के शौचालय को अत्याधुनिक स्वरूप देते हुए ठीक किया गया, दूसरे चरण में आंतरिक सौंदर्यीकरण प्रस्तावित है।

दिन-रात काम करें, 13 मार्च तक बनाएं सड़कें, डीएम ने बैठक में विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

नैनीताल। हल्द्वानी के जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने शहर के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को 13 मार्च तक कार्य दोगुनी गति से पूरा करने को कहा। उन्होंने यूयूएसडीए समेत अन्य विभागों को गड्ढे भरने और सड़कें बनाने के लिए दिन–रात काम करने पर जोर दिया।

शुक्रवार को कैंप कार्यालय में हुई बैठक में सड़क चौड़ीकरण, सीवर, पेयजल, गैस पाइपलाइन, सौंदर्यीकरण और यूटिलिटी डक्ट स्थानांतरण की समीक्षा हुई। यूयूएसडीए के अधिकारियों को जनशक्ति बढ़ाने के लिए कहा गया। कार्यदायी संस्थाओं को आपसी समन्वय से काम करने और साप्ताहिक बैठक में समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए गए। आंतरिक मार्गों पर सीवर और पेयजल कार्य पहले पूरे हों ताकि जनता को परेशानी न हो। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजुनाथ टीसी ने सड़क पर मलबा व सुरक्षा उपायों की कमी पर चिंता जताई। डीएम ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

सौंदर्यीकरण कार्य के लिए अतिक्रमण हटाओ

जिलाधिकारी ने शनि बाजार चौराहा, कुसुमखेड़ा चौराहा, लामाचौड़, हनुमान मंदिर और मंडी निकट शनिबाजार चौराहे को 13 मार्च तक अतिक्रमण मुक्त कर सौंदर्यीकरण का कार्य पूरा करने का निर्देश दिए। पेयजल और सीवर कार्य पूरे होने पर सड़क निर्माण को प्राथमिकता दें। मंडी गेट के पास पुलिस चौकी स्थानांतरण के लिए मंडी परिषद को दो दिन में 25 लाख रुपये हस्तांतरित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस, नगर आयुक्त, यूयूएसडीए व सिंचाई विभागों को संयुक्त निरीक्षण करने को भी कहा गया।

सड़क चौड़ीकरण के लिए जरूरी निर्देश दिए

होली के बाद तीनपानी से मंडीगेट तक चौड़ीकरण के कार्य का प्रथम चरण शुरू होगा। इसके बाद तीनपानी से कॉलटैक्स तक कार्य होगा। चौड़ीकरण के दौरान विद्युत पोल, जल संस्थान और पेयजल पाइपलाइनें भी स्थानांतरित होंगी। तिकोनिया से काठगोदाम तक सड़क की जद में आने वाले पेड़ों की छंटाई व पीपल के पेड़ों को स्थानांतरित करने की योजना पर भी काम करने के निर्देश दिए गए।

दिल्ली और देहरादून के लिए बढ़ेंगी बसें

नैनीताल। होली पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तराखंड परिवहन निगम की ओर से नैनीताल से दिल्ली और देहरादून के लिए बसों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही नैनीताल– हल्द्वानी रूट पर विशेष ध्यान रहेगा। स्टेशन इंचार्ज विमला ने बताया कि दिल्ली और देहरादून रूट पर दो से तीन बसों को अतिरिक्त रूप से लगाया जाएगा। इसके अलावा नैनीताल–हल्द्वानी मार्ग पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त फेरे लगाए जाएंगे।

शोध यात्रा पर साझा किए विचार

नैनीताल। विजिटिंग प्रोफेसर डायरेक्टरेट व रसायन विज्ञान विभाग की ओर से डीएसबी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रख्यात जर्मन वैज्ञानिक प्रो. क्रिस्टोफ अरेंज ने स्फिंगो लिपिड मेटाबोलिज्म फॉर ड्रग डिस्कवरी विषय पर व्याख्यान दिया। जेएनयू नई दिल्ली से आईं प्रो. शैलजा सिंह ने मलेरिया की रोकथाम और उसके पैरासाइट को ब्लॉक करने में होने वाली रिसर्च पर कार्य साझा किया। दोनों वक्ताओं ने अपनी शोध यात्रा पर विचार साझा किए। उन्होंने युवाओं को जिज्ञासा, अनुशासन और ईमानदारी के साथ शोध कार्य करने का संदेश दिया। इस मौके पर प्रो. चित्रा पांडे, प्रो. ललित तिवारी, प्रो. नंदा गोपाल साहू, प्रो. गीता तिवारी, डॉ. सुहेल जावेद, प्रो. महेश चंद्र आर्या, डॉ. मनोज धूनी आदि मौजूद रहे।

निदेशक ने निर्माणाधीन नैनीताल दुग्ध प्लांट का किया निरीक्षण

लालकुआं। डेरी विकास विभाग के निदेशक अशोक कुमार जोशी ने दुग्ध संघ में निर्माणाधीन 85 करोड़ रुपये की लागत वाले अत्याधुनिक दुग्ध प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने दुग्धशाला में तैयार किए जा रहे दूध, पनीर, घी एवं अन्य दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने गुणवत्ता और स्वच्छता मानकों का ध्यान रखने के निर्देश दिए। इस दौरान दुग्ध संघ अध्यक्ष मुकेश बोरा, उपनिदेशक संजय उपाध्याय, सामान्य प्रबंधक यूसीडीएफ आरएम तिवारी, डॉ. पीएस. नागपाल, सामान्य प्रबंधक अनुराग शर्मा, संजय सिंह भाकुनी, धर्मेंद्र राना, सुभाष बाबू, रमेश आर्य आदि उपस्थित रहे।

जंगलों व सड़क किनारे पार्टी करने वालों पर रहेगी वन विभाग की नजर

नैनीताल। फायर सीजन व होली के त्योहार को देखते हुए वन विभाग चौकन्ना हो गया है। इसके चलते विभाग जंगलों व सड़क किनारे पार्टी करने वाले लोगों पर नजर रख रहा है। साथ ही, जंगल में कूड़ा फैलाने व आग लगाने वालों पर विभाग कड़ी कार्रवाई करेगा।

फायर सीजन शुरू होने व होली के त्योहार पर घूमने वाले हुड़दंगियों व अराजक तत्वों के कारण नैनीताल और आसपास के क्षेत्रों में आग लगने की आशंका बढ़ गई है। इसको लेकर वन विभाग अलर्ट हो गया है। विभाग की ओर से आग की घटनाओं को रोकने के लिए जंगल और सड़क किनारे पार्टी करने वालों पर विशेष नजर रखी जा रही है। वन क्षेत्राधिकारी मुकुल शर्मा ने बताया कि जंगलों में विभाग की टीमें गश्त कर रहीं हैं। बताया कि सड़क किनारे दुकानदारों, फूड वैनों व रेस्टोरेंट संचालकों से कूड़ा आसपास न फेंकने की अपील की जा रही है। बताया कि जिन दुकानों और रेस्टोरेंटों के आसपास जंगलों में कूड़ा पाया जाएगा उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

दंपती को छह माह की सजा, जुर्माना भी लगाया

मनस्वी वाणी संवाददाता

नैनीताल। हल्द्वानी में एसीजेएम मीनाक्षी शर्मा की अदालत ने चेक बाउंस के मामले में शुक्रवार को रुड़की निवासी मनोज गिरी और उसकी पत्नी ज्योति गोस्वामी को छह माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अर्थदंड भी लगाया है। वर्तमान में दंपती जमानत पर बाहर हैं। हल्द्वानी के फतेहपुर निवासी रेखा गोस्वामी ने परिवाद दाखिल किया था। रेखा ने कहा कि मिलाप नगर रुड़की निवासी मनोज गिरी और उसकी पत्नी ज्योति गोस्वामी के साथ साझा में हल्द्वानी में बेकरी खोलने के लिए बैंक से दस लाख रुपये लोन लिया। लोन की राशि में से धीरे–धीरे आठ लाख रुपये दंपती ने ले लिए। उधारी मांगने पर मनोज गिरी ने रेखा को आठ लाख का चेक 15 जनवरी 2024 को दिया जो अगले दिन बैंक से बाउंस हो गया। दोनों पक्षों में समझौता नहीं हो सका और मामला कोर्ट पहुंचा। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि इस पैसे से बेकरी का सामान खरीदा है। यह भी कहा कि तीन चेक पार्टनरशिप डीड बनाने के लिए सिक्योरिटी के रूप में दिए थे। दोनों पक्षों को सुनने के बाद एसीजेएम की अदालत ने मनोज गिरी और ज्योति गिरी को दोषी मानते हुए छह–छह माह के साधारण कारावास और 9,44,000 रुपये का अर्थदंड का आदेश जारी किया है।

सीबीआई ने पांच हजार रिश्वत लेते सांख्यिकीय विभाग के अधिकारी को किया गिरफ्तार

देहरादून। सांख्यिकी विभाग के अधिकारी संजय कुमार को सीबीआई ने पांच हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। शिकायत मिलने के बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) मामला दर्ज कर गुप्त रूप से जांच कर रही थी।

शिकायतकर्ता एक टैक्स एडवोकेट ने सीबीआई को भेजी शिकायत में बताया था कि वह अपने क्लाइंट की कंपनी के टैक्स से जुड़े काम देखते हैं। शिकायत के अनुसार, उनके क्लाइंट की कंपनी बीएस इंडस्ट्रीज को एनुअल सर्वे ऑफ इंडस्ट्रीज (एएसआई) की वार्षिक रिटर्न दाखिल करना थी। यह काम सांख्यिकी विभाग के माध्यम से किया जाता है। आरोप है कि देहरादून स्थित नेशनल स्टेटिस्टिकल ऑफिस के सीनियर ऑफिसर संजय कुमार ने रिटर्न तैयार करने और जमा कराने के बदले पांच हजार रुपये रिश्वत मांगी। शिकायतकर्ता के मुताबिक अधिकारी ने उन्हें व्हाट्सएप पर एक मोबाइल नंबर भेजकर उस नंबर पर यूपीआई से पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहा था।

शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने मामले की गोपनीय जांच की। प्रारंभिक जांच में रिश्वत मांगने की बात सही पाए जाने पर अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया। इसके बाद सीबीआई टीम ने आरोपी अधिकारी को ट्रैप कर रंगेहाथ रिश्वत लेते पकड़ लिया।

किरायेदार का सत्यापन नहीं कराया तो होगी कार्रवाई

देहरादून। एडीजी अपराध एवं कानून व्यवस्था वी मुरुगेशन ने शुक्रवार को पुलिस लाइन में जिले के अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक कर वर्तमान में चल रहे अभियानों की समीक्षा की। उन्होंने कहा, यदि किसी मकान मालिक ने बिना सत्यापन के ऐसे व्यक्ति को किराये पर रखा, जिसकी आपराधिक पृष्ठभूमि सामने आती है, तो उस मकान मालिक के खिलाफ भी आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा। बैठक में कहा गया कि जो मकान मालिक अपने मकान या अपार्टमेंट को किराये पर देकर स्वयं बाहर रहते हैं और किरायेदारों का पुलिस सत्यापन नहीं कराते, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विशेष रूप से बड़ी सोसाइटी और पॉश कॉलोनियों में भी बड़े स्तर पर सत्यापन अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। बता दें कि झारखंड के गैंगस्टर विक्रम शर्मा की हत्या के बाद सोसायटियों में रह रहे आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों का सत्यापन न होने पर सवाल उठे थे। इसके बाद शुरू ऑपरेशन क्रैकडाउन में पुलिस ने सोसायटियों, पॉश कॉलोनियों और बहुमंजिला इमारतों में रह रहे लोगों के सत्यापन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। दून पुलिस के ऑपरेशन क्रैकडाउन के तहत पिछले 12 दिनों में बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई है। इस दौरान 1600 से अधिक लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। वहीं किरायेदारों का सत्यापन नहीं कराने वाले 800 से अधिक मकान मालिकों के खिलाफ पुलिस एक्ट की धारा 83 के तहत कार्रवाई करते हुए 80 लाख रुपये से अधिक का जुर्माना वसूला गया है। बैठक में ऑपरेशन स्माइल के तहत गुमशुदा व्यक्तियों और बच्चों की तलाश से जुड़ी कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि गुमशुदा की तलाश में सर्विलांस और मैन्युअल दोनों तरीकों से लगातार प्रयास किए जाएं। इसके अलावा लावारिस शवों की पहचान के लिए बनाई गई एसओपी के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए गए।

सम्पादकीय

विदेश नीति को बदलते प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इतिहास में अपना नाम किन अक्षरों में दर्ज कराना चाहते हैं, ये तो पता नहीं, लेकिन भारत की विदेश नीति का जो गौरवशाली स्वर्णिम इतिहास रहा है, उसे वो पूरी तरह मटियामेट करना चाहते हैं, यह साफ नजर आ रहा है। वैसे भी जब इतिहास की पूरी समझ न हो, या जानबूझकर इतिहास को नजरंदाज किया जाता है तो वर्तमान और भविष्य दोनों किस तरह खतरे में पड़ जाते हैं, इसका बड़ा उदाहरण नरेन्द्र मोदी की इजरायल यात्रा से मिल ही रहा है। महज दो दिनों के लिए मोदी इजरायल गए, लेकिन वहां जो कुछ उन्होंने कहा, उससे भारत की बरसों की मेहनत पर पानी फिर गया है। बुधवार को इजरायली संसद नेसेट में जिस तरह का भाषण प्रधानमंत्री मोदी ने दिया है, उसमें वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका पर सवाल उठने लगे हैं। क्योंकि इजरायल ने फिलीस्तीन में हमास को खत्म करने के नाम पर जो नरसंहार किया, उस पर दुनिया भर में चिंता जाहिर की जा रही है, लेकिन भारत के प्रधानमंत्री ने इजरायली संसद में जाकर हमास की न केवल आलोचना की, बल्कि तीन साल पहले 7 अक्टूबर को इजरायल पर हुए हमले की तुलना भारत में मुंबई के आतंकी हमले से कर दी। माना कि दोनों में निर्दोष लोगों की ही जान गई, लेकिन सोचने वाली बात ये है कि नरेन्द्र मोदी को यूपीए सरकार में हुआ मुंबई हमला अगर याद आया तो खुद की सरकार में हुए पुलवामा और पहलगाम जैसे बड़े आतंकी हमलों को वो कैसे भूल गए। होता तो यही है कि इंसान को हाल की बात पहले याद आती है और पुरानी बात बाद में। लेकिन मोदीजी के साथ उल्टा ही हो रहा है। उन्हें अपने कार्यकाल का कुछ याद नहीं रहता, केवल कांग्रेस की सरकारों की बातें याद पड़ती हैं। अपने संबोधन में मोदी ने गजा शांति पहल को क्षेत्र में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति की दिशा में एक रास्ता बताया। यानी सीधे–सीधे अमेरिका की तारीफ उन्होंने की। इसके साथ ही इजरायल के साथ एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि कहीं भी आतंकवाद शांति को हर जगह खतरे में डालता है। गौर कीजिए कि मोदी ने इजरायल की कुर्बानियों का जिक्र किया लेकिन गजा में मारे गए 70 हजार लोगों की हत्या और हमदर्दी के लिए एक शब्द नहीं कहा, वो कह भी नहीं सकते थे, क्योंकि उन्हें तो ट्रंप और नेतन्याहू से दोस्ती निभानी है। मोदी ने गजा नरसंहार को पूरी तरह नजरन्दाज किया, यहां तक तो ठीक है, लेकिन दुख इस बात का है कि अपने साथ–साथ उन्होंने पूरे देश की जनता को इजरायल के साथ खड़ा दिखाया। मोदी ने कहा, श्मैं भारत की जनता की ओर से हर खोई हुई जान के लिए गहरी संवेदना लेकर आया हूं और हर उस परिवार के लिए जिनका संसार 7 अक्टूबर 2023 को हमास के बर्बर आतंकवादी हमले में टूट गया। हम आपका दर्द महसूस करते हैं। हम आपका दुख साझा करते हैं। भारत इजरायल के साथ मजबूती से, पूरे विश्वास के साथ, इस पल में और उसके आगे भी खड़ा है। कोई भी कारण नागरिकों की हत्या को जायज नहीं ठहरा सकता। कुछ भी आतंकवाद को जायज नहीं ठहरा सकता।श कितने सुविधाजनक तरीके से मोदी ने गजा में नेतन्याहू के इजरायली आतंकवाद का जिक्र तक नहीं किया। जबकि खुद इजरायल की जनता अपनी सरकार के ऐसे बर्बर रवैये के खिलाफ है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मोदी के भाषण पर उन्हें इतिहास की याद दिलाते हुए नेहरू के इजरायल के निर्माण पर आइंस्टीन को लिखे पत्र में व्यक्त विचारों का हवाला दिया। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया– अप्रैल 1955 में आइंस्टीन के निधन से कुछ समय पहले, आइंस्टीन और नेहरू ने परमाणु विस्फोटों और हथियारों के मुद्दे पर पत्रों का आदान–प्रदान किया था।श नेहरू ने 11 जुलाई 1947 को आइंस्टीन को जवाब में लिखारू श्मैं मानता हूं कि जबकि मेरी यहूदियों के लिए बहुत अधिक हमदर्दी है, मुझे अरबों की दुर्दशा के लिए भी उतनी ही हमदर्दी है। किसी भी घटना में, पूरा मुद्दा दोनों पक्षों की ओर से उच्च भावना और गहरे जुनून का हो गया है।श नेहरू ने यहूदियों के नजरिए पर सवाल उठाते हुए कहारू श्मैंने फिलिस्तीन की इस समस्या पर अच्छा ध्यान दिया है और दोनों पक्षों द्वारा जारी की गई किताबों और पैम्फलेट्स को पढ़ा हैय फिर भी मैं यह नहीं कह सकता कि मैं इसके बारे में सब जानता हूं, या मैं क्या किया जाना चाहिए पर अंतिम राय देने के लिए सक्षम हूं। मुझे पता है कि यहूदियों ने फिलिस्तीन में एक अद्भुत काम किया है और वहां के लोगों के स्तर को ऊं चा उठाया है, लेकिन एक सवाल मुझे परेशान करता है। इन सभी उल्लेखनीय उपलब्धियों के बाद, वे अरबों की सद्भावना हासिल करने में क्यों विफल रहे? नेहरू ने लिखा–वे अरबों को अपनी इच्छा के विरुद्ध कुछ मांगों को मानने के लिए क्यों मजबूर करना चाहते हैं? नजरिए का तरीका ऐसा रहा है जो समझौते की ओर नहीं ले जाता, बल्कि संघर्ष की निरंतरता की ओर ले जाता है।

पेंटागन ने ईरान के खिलाफ बड़े ऑप्रेशन के खतरे की चेतावनी दी

एजेन्सी

> "फोर्स होने जैसे रिस्क हैं। मौजूदा और पुराने अधिकारियों ने कहा कि ये चेतावनियां ज्यादातर ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने डिफैंस डिपार्टमैंट में और नैशनल सिक्योरिटी काऊंसिल की मीटिंग्स के दौरान दी हैं"

पेंटागन ईरान के खिलाफ लंबे मिलिट्री कैंपेन को लेकर प्रेसिडैंट ट्रम्प के सामने चिंता जता रहा है। उसने सलाह दी है कि जिन वॉर प्लान पर विचार किया जा रहा है, उनमें अमरीका और सहयोगी देशों के नुकसान, कमजोर एयर डिफैंस और जरूरत से ज्यादा फोर्स होने जैसे रिस्क हैं। मौजूदा और पुराने अधिकारियों ने कहा कि ये चेतावनियां ज्यादातर ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने डिफैंस डिपार्टमैंट में और नैशनल सिक्योरिटी काऊंसिल की मीटिंग्स के दौरान दी हैं लेकिन पेंटागन के दूसरे लीडर्स ने भी ऐसी ही चिंताएं जताई हैं। ईरान पर हमलों के लिए जिन ऑप्शन पर विचार किया जा रहा है, उनमें शुरुआती सीमित हमलों से लेकर सरकार को गिराने के मकसद से कई दिनों तक हवाई कैंपेन चलाना शामिल है। अधिकारियों ने कहा कि सभी ऑप्शन में रिस्क होता है लेकिन खास तौर पर लंबे कैंपेन से अमरीकी सेना और हथियारों के स्टॉक पर काफी खर्च आ सकता है, अगर ईरान जवाबी कार्रवाई कर पाता है, तो इससे रीजनल पार्टनर्स की सुरक्षा मुश्किल हो सकती है। अगर अमरीका बड़ी मात्रा में एयर–डिफैंस हथियारों और दूसरी चीजों का इस्तेमाल करता है, जिनकी आपूर्ति कम है, तो इससे चीन के साथ भविष्य में होने वाले संभावित झगड़े की तैयारियों पर भी असर पड़ सकता है। अमरीका ने 2003 के ईराक युद्ध के बाद से मिडल ईस्ट में सबसे ज्यादा एयर पावर इकट्ठी की है, जिसमें एक एयरक्राफ्ट–कैरियर स्ट्राइक ग्रुप भी शामिल है। दूसरा कैरियर अब मेडिटेरेनियन में है। केन की चेतावनियों के बारे में मीडिया रिपोटर्स के बाद, ट्रम्प ने सोमवार को बाद में सोशल–मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट किया, ''जनरल केन, हम सब की तरह, जंग नहीं देखना चाहेंगे लेकिन अगर ईरान के खिलाफ मिलिट्री लैवल पर जाने का फैसला होता है, तो उनकी राय है कि यह आसानी से जीता जा सकेगा।'' ट्रम्प प्रशासन अभी भी ईरान के साथ एक संभावित डील पर बातचीत कर रहा है, जिससे अमरीका को उम्मीद है कि तेहरान के न्यूक्लियर वैपन की तरफ जाने के रास्ते बंद हो जाएंगे, जिसे ईरानी नेताओं ने आगे बढ़ाने से मना कर दिया है, साथ ही उसके बैलिस्टिक–मिसाइल प्रोग्राम और हिजबुल्लाह और हमास जैसे रीजनल प्रॉक्सी मिलिशिया को उसके सपोर्ट पर रोक लगेगी। ईरान ने किसी भी अमरीकी हमले का जितना हो सके उतना कड़ा जवाब देने की धमकी दी है और सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पिछले हफ्ते कहा था कि उनकी सेना एक अमरीकी युद्धपोत को डुबो सकती है। किसी भी मिलिट्री ऑप्रेशन में जोखिम होता है लेकिन ईरान के खिलाफ लगातार अभियान शायद ट्रम्प द्वारा शुरू किए गए सबसे जटिल और खतरनाक मिलिट्री ऑप्रेशनों में से एक होगा, जिसमें अमरीका को मिडल ईस्ट में एक बड़े युद्ध में खींचने की क्षमता है। अधिकारियों के मुताबिक, ईरान पर किसी भी हमले के दौरान, कई बार बमबारी करने पर अमरीकी पायलट ईरानी एयर डिफैंस के लिए असुरक्षित हो सकते हैं। ईरानी मिसाइलें मिडल ईस्ट में मौजूद अमरीकी सैनिकों के बेस को निशाना बना सकती हैं। ईरान अपनी मिसाइलों और ड्रोन से इसराईल में आबादी वाले सैंटर को भी निशाना बना सकता है, जैसा कि उसने पिछले जून में ईरान, इसराईल और अमरीका के बीच 12 दिन के युद्ध के दौरान किया था। कुछ अधिकारियों ने कहा कि अमरीका को उम्मीद है कि ईरान अपनी सरकार की रक्षा के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देगा और अमरीका के पास ईरानी मिसाइल हमलों का मुकाबला करने के लिए सिर्फ 2 हफ्ते के लिए ही इंटरसैप्टर हैं, जिससे अमरीकी हथियारों के जखीरे में पैट्रियाट, थाड और एस.एम.–3 हथियारों का सीमित स्टॉक और कम हो जाएगा। हाल के हफ्तों में, अमरीका ने जॉर्डन, कुवैत, कतर, सऊदी अरब, बहरीन और इसराईल को और थाड और पैट्रियाट एंटीमिसाइल सिस्टम भेजकर मिडल ईस्ट में अपने एयर डिफैंस को मजबूत करने की कोशिश की है। एक नेवी अधिकारी के मुताबिक, अमरीका ने ईरानी खतरों को मार गिराने के लिए मिडल ईस्ट और मेडिटेरेनियन के पानी में 13 गाइडेड–मिसाइल डिस्ट्रॉयर भी भेजे हैं। पिछले जून में जब अमरीका ने ईरानी मिसाइल हमलों से इसराईल को बचाने में मदद की थी, तो इस लड़ाई से अमरीकी इंटरसैप्टर सप्लाई में खतरनाक कमी का पता चला। पिछले साल वसंत में जब अमरीका ने यमन में ईरान के सपोर्ट वाले हूती विद्रोहियों के खिलाफ लगभग 2 महीने तक बमबारी की थी, तब भी हथियारों के स्टॉक पर दबाव था।

इथनाल ब्लेन्डिंग समस्या है समाधान नहीं

अरविन्द मोहन

चंपारण की चीनी मिलों के आसपास बचपन गुजारने के चलते उनके कचरे से निकलने वाली बास और राजनैतिक चर्चाओं की याद हमेशा के लिए मन में रह गई है। कई बार किसान मिल में गन्ना उतारकर खाली बैलगाड़ी में मिल का छोआ वाला कचरा उठा लाते थे और अपने खेत में खाद की तरह इस्तेमाल करते थे। इसकी दुर्गंध तो मिलों दूर से भी ज्यादा लगती थी और लोग कुछेक दिन उन खेतों की तरफ जाने से बचते थे। नेता लोग इसी छोआ अर्थात मोलासेज से केमिकल कारखाना लगवाने या श्पेट्रोल बनानेश और बगास अर्थात गन्ने की सीठी से कागज बनाने का प्लांट लगवाने की बात करते थे। हमारे कुमारबाग में बेतिया राज की जमीन खाली थी। वहीं आसपास की चीनी मिलों से इन बाई–प्रॉडक्टों से स्वर्ग बसाने का वादा होता था जो आज तक पूरा नहीं हुआ। गन्ने से पेट्रोल बनाने की बात उन दिनों कचरे से सोना बनाने जैसी लगती थी पर बायो डीजल और बायो पेट्रोल का जमाना भी आया। हमारे यहां झटरोपा से तेल बनाने का प्रयोग चला तब तक अमेरिका ने मक्का और अन्य कृषि उत्पादों से बायो पेट्रोल बनाना शुरू करा दिया क्योंकि पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बेतहाशा बढ़ने लगी और सौ डालर प्रति बैरल का रेट भी पीछे हो गया। ऐसे में मक्का वगैरह से पेट्रोल बनाना 75 डालर प्रति बैरल जितने रेट पर संभव हो तो कौन मानता? हमारे यहां भी झटरोपा वाला प्रयोग तभी हुआ और अनाज से तेल बनाने की चर्चा शुरू हुई। वह तो हुआ नहीं लेकिन नितिन गडकरी के परिवहन मंत्री बनने वाले राज में इसी छोआ अर्थात मोलासेज से पेट्रोल बनाने और पेट्रोल में मिलाकर बेचने का काम शुरू हुआ जो आज परवान पर है। यह काम सिर्फ गन्ना चीनी मिलों का न होकर सारे ब्रूअरीज(शराब कारखाने) के कचरे से होना शुरू हुआ है। करीब बीस फीसदी ब्लेन्डिंग के बिना पेट्रोल बिकता नहीं और कुछ पेट्रोल की खपत में बीस फीसदी का मतलब बहुत बड़ा हुआ। कीमत और विदेशी मुद्रा की बचत का हिसाब लगाएं तो और उजली तस्वीर दिखेगी पर जल्दी ही इस मामले में भी उत्पादन क्षमता जरूरत से ऊपर निकल जाएगी यह कल्पना से परे की चीज है। लेकिन आज यह स्थिति आ गई है। गन्ने के अलावा कुछ कृषि उत्पादों के इस्तेमाल की चर्चा भी है। लेकिन अमेरिका से जिस लटकी हुई व्यापार संधि को श्सपनों का सौदाश बताया जा रहा है उसमें मक्के की कुछ खास किस्म के आयात की बात भी थी और माना जाता है कि इसका प्रयोग इथनाल बनाने में हो सकता है। वैसे भारत खुद भी बड़े पैमाने पर मक्का पैदा करने लगा है जो मुर्गीपालन और मछलीपालन समेत देश की पूरी जरूरत से ज्यादा ही है। ऐसे में अगर हम अभी ही इथनाल अपनी जरूरत से ज्यादा बनाने लगे हों तो अमेरिका से मक्का आयात करने का तर्क समझना मुश्किल है। अभी वह व्यापार समझौता हो, मक्का आयात हो उसका इस्तेमाल इथनाल बनाने में हो जैसे सारे लेकिन परंतु पर क्यों जाएं, अभी तो मौजूदा स्थिति ही इस कारोबार को परेशान करने वाली है। देश में इथनाल बनाने की कुल क्षमता 18 अरब लीटर की है जबकि पेट्रोलियम कंपनियां 11 से 12 अरब लीटर माल खरीदती हैं। देश में अब बिना इथनाल मिला पेट्रोल बिकता ही नहीं और मिलावट भी बीस फीसदी मात्रा तक है। इतना होने पर भी पूरा देशी इथनाल खपाने में परेशानी हो रही है। उधर तीन अरब लीटर और उत्पादन क्षमता इस साल बढ़ेगी। तब क्या होगा यही सोचकर व्यवसाय के लोग चिंतित हैं। यह सही है कि महंगे पेट्रोल के साथ बिकने से अच्छी कीमत वसूल होती है लेकिन खुद इथनाल की कीमतों और मांग आपूर्ति का हिसाब बहुत अनिश्चितता वाला है। सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों कंपनियां, इंडियन आयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम यह सारा माल खरीदकर तेल में मिलाकर बेचती हैं। अब हो यह रहा है कि पेट्रोल की खपत में तो मात्र छह फीसदी सालाना की वृद्धि है जबकि इथनाल उत्पादन की क्षमता ज्यादा रफ्तार से बढ़ रही है। अगर तीन अरब लीटर की क्षमता और बढ़ी तो यह वृद्धि 20 फीसदी हो जाएगी। फिर कीमतों और आपूर्ति का खेल एक अन्य स्तर पर जाएगा, अगर अमेरिकी मक्का भी इस खेल में शामिल हुआ तो क्या दृश्य होगा? यह कल्पना ही की जा सकती है और यह विकल्प भी नहीं है कि मिलावट को बीस फीसदी से बढ़ा दिया जाए। क्योंकि इथनाल की मिलावट से ईंधन की ऊर्जा का स्तर कम होता है–बीस फीसदी की मिलावट से यह गिरावट छह फीसदी की होती है और इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाना भी हो चुका है। अभी तक अदालत ने ग्राहकों के दावे को दरकिनार रखा है। एक दूसरी शिकायत इस मिलावटी ईंधन का गाड़ी के इंजन पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की है। माना जाता है कि पिछले दिनों मिलावट की सीमा बढ़ाने पर भी विचार हुआ था लेकिन तभी सोशल मीडिया में यह बहस छिड़ गई कि मिलावटी ईंधन का गाड़ियों के इंजन पर बुरा असर होगा। यह बात खास तौर से भारत में बिकने वाली गाड़ियों पर लागू होती है क्योंकि यहां इस विशेष ईंधन से चलने वाले इंजन लगाए ही नहीं जाते। इथनाल मिश्रित ईंधन की कीमत घटाने की मांग भी उठती रही है लेकिन उसकी कीमत ज्यादा होने के नाम पर सरकार ने इस मांग को ठुकरा दिया था पर असल में तो इथनाल बाई–प्रोडक्ट ही है जो चीनी और शराब जैसे उद्योगों से निकलने वाले कचरे से बनता है। उसकी कीमत की एक सीमा होनी चाहिए। इससे उस अमेरिकी या पश्चिम जगह के अभियान पर भी अंकुश लगेगा जो अनाज को सड़ाकर इथनाल बनाने को लाभकर मानने से शुरू होता है। जैसे ही पेट्रोलियम पदार्थ 75 डालर बैरल के ऊपर पहुंचते हैं वे मक्का, गेहूं और अन्य अनाजों से इथनाल बनाने लगते हैं और जब पिछली बार यह दर सवा सौ के ऊपर पहुंची थी।

मेष :– किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

बृषभ :– भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

मिथुन :– भावनाओं पर नियंतण्ररख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :– महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक–सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :–भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्नक विचार ला सकती हैं।

कन्या :– पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

तुला :– कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन–सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिक :– किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

धनु :– रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकर :– सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुंभ :– पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।

दक्षिण एशिया सुरक्षा पर वाशिंगटन का आक्रामक रवैया भारत के लिए भी सिरदर्द

नित्य चक्रवर्ती

> "बांग्लादेश को लेकर ट्रंप प्रशासन के नजरिए में अचानक बदलाव आया। नए अमेरिकी राजदूत ब्रेंटक्रिस्टेंसन ने इस साल 12 जनवरी को ढाका में अपना कार्यभार संभाला, अर्थात 12 फरवरी के चुनाव से ठीक एक महीना पहले।"

12 फरवरी के राष्ट्रीय चुनाव में अपनी पार्टी की शानदार जीत के बाद बीएनपी प्रमुख तारिक रहमान को बांग्लादेश का प्रधानमंत्री बने हुए सिर्फ एक हफ्ता हुआ है। 60 साल के प्रधानमंत्री, जो ब्रिटेन में 17 साल के देश निकाला के बाद स्वदेश लौटे हैं, से उम्मीद की जा रही थी कि वे देश की खराब अर्थव्यवस्था और इसके प्रशासन को फिर से दुरुस्त करने को सबसे ज्यादा प्राथमिकता देंगे, लेकिन उनके ध्यान का केन्द्र अचानक बदल गया है, क्योंकि संयुक्त राज्य अमेरिका प्रशासन बहुत ज्यादा सक्रिय हो गया है और नई सरकार से चीन के खिलाफ रूख अपनाने के लिए कहकर बांग्लादेश के अंदरूनी मामलों में दखल दे रहा है। अमेरिका की तरफ से ऐसा खुला दावा हाल के महीनों में नहीं देखा गया है। असल में, अंतरिम सरकार के पहले के आधे समय में अमेरिकी दूतावास के अधिकारी इतने सक्रिय नहीं थे, लेकिन 12 फरवरी के चुनाव पास आते ही हालात बदल गए। बांग्लादेश को लेकर ट्रंप प्रशासन के नजरिए में अचानक बदलाव आया। नए अमेरिकी राजदूत ब्रेंटक्रिस्टेंसन ने इस साल 12 जनवरी को ढाका में अपना कार्यभार संभाला, अर्थात 12 फरवरी के चुनाव से ठीक एक महीना पहले। तब सेब्रेंट समेत अमेरिकी अधिकारी बीएनपी और जमात दोनों नेताओं को साध रहे हैं ताकि चीनी राजदूत योवेन को मात दी जा सके, जो पिछले तीन सालों से ढाका में सक्रिय हैं और सरकार और राजनीतिक पार्टियों के हर स्तर पर बड़े सम्पर्क बना रहे हैं। प्रधानमंत्री तारिक रहमान और उनके विदेश मंत्री खलीलुर रहमान के पद संभालने के बाद, जो एक बहुत अनुभवी विदेश सेवा अधिकारी थे, ने हमेशा की तरह तीन बड़े देशों भारत, अमेरिका और चीन के साथ रिश्तों की पुनर्समीक्षा की और बांग्लादेश के फायदे के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए, इस पर बात की। अभी–अभी घोषित अमेरिका–बांग्लादेश व्यापार समझौते की समीक्षा पर भी चर्चा हुई। तीनों बड़े देशों के साथ रिश्तों में संतुलन बनाने के मुद्दे दृष्टिपटल पर थे। जब शनिवार 21 फरवरी को शुरुआती बातचीत चल रही थी, तो अमेरिकी राजदूत ब्रेंटक्रिस्टेंसन ने बिना बांग्लादेश का नाम लिए एक कड़े बयान में कहा कि, वह दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते असर को लेकर परेशान हैं। ट्रंप की तरफ से तारिक को भेजे गए पत्र में यह भी कहा गया था कि अमेरिका–बांग्लादेश साझेदारी आपसी सम्मान और एक मुक्त और खुला भारत–प्रशांत को बढ़ावा देने में एक जैसे फायदे पर आधारित है। इसका असल में मतलब है कि अमेरिका अब चीन के खिलाफ अपनी भारत–प्रशांत सुरक्षा रणनीति में बांग्लादेश को एक भागीदार के तौर पर चाहता है, ठीक वैसे ही जैसे ट्रंप ने अपनी चीन विरोधी सुरक्षा रणनीति में भारत को एक भागीदार के तौर पर शामिल किया है। इस प्रकार तारिक रहमान के लिए, अपनी स्थिति को स्थिर किये जाने से पहले ही, उन्हें अमेरिका की तरफ से यह धमकी मिल रही है कि अगर नई सरकार अमेरिका के साथ बेहतर रिश्ते बनाना चाहती है, तो उसे चीन के खिलाफ अमेरिका की रणनीति का हिस्सा बनना होगा। जाहिर है, अगले दिन चीन ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी, जब चीनी दूत योवेन ने बांग्लादेश के विदेश मंत्री से मुलाकात की और कहा कि चीन बांग्लादेश की श्सर्वप्रथम बांग्लादेश नीतिय को मानने की घोषणा की तारीफ करता है और ढाका को चीन का सहयोग हर जगह होगा और यह किसी तीसरे देश के खिलाफ नहीं है। तारिक सरकार ढाका की धरती से अमेरिकी दूतावास के चीन विरोधी रवैये से बहुत शर्मिंदा है, लेकिन सरकार अमेरिका को बड़े भाई की भूमिका निभाने से रोकने के लिए बहुत कम काम ही कर सकती है। ढाका में राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि बांग्लादेश और चीन के बीच पिछले रक्षा समझौते से अमेरिका चिंतित है। अमेरिका चाहता है कि बांग्लादेश रक्षा सहयोग के लिए चीन के साथ अपनी भविष्य की बातचीत को आगे न बढ़ाए। जहां तक धारणा का सवाल है, बांग्लादेश के लोग ज्यादातर भारत और अमेरिका दोनों के खिलाफ भावनाएं रखते हैं। 5 अगस्त, 2024 को हसीना सरकार के गिरने के बाद से पिछले अठारह महीनों में, अमेरिका के लिए भावनाओं में गिरावट की तुलना में लोगों के बीच चीन का प्रभाव बढ़ा है। 2025 की शुरुआत में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख डॉ. यूनुस के चीन दौरे में, बांग्लादेश के अलग–अलग जिलों में औद्योगिक क्षेत्र बनाने में चीन के निवेश में एक बड़ी कामयाबी मिली। बांग्लादेश में भारतीय सीमा के पास ड्रोन के लिए एक फैक्टरी लगाने का समझौता हुआ। तारिक सरकार से अब अमेरिका ने उस समझौते की नए सिरे से समीक्षा करने को कहा है। हाल ही में हस्ताक्षरित हुए अमेरिकी व्यापार समझौते की एकतरफा शर्तों ने दिखाया है।

कितनी टी20 पारियों बाद अभिषेक शर्मा के बल्ले से निकला अर्धशतक?

चेन्नई। भारत के लिए लगातार खराब फॉर्म में चल रहे अभिषेक शर्मा का बल्ला आखिरकार चला। जिम्बाब्वे के खिलाफ अभिषेक ने अर्धशतक लगाया। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आखिरकार फॉर्म में लौटने में सफल रहे। अभिषेक का बल्ला टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ चला। अभिषेक ने सुपर आठ मुकाबले में जिम्बाब्वे के खिलाफ 26 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। अभिषेक पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म में चल रहे थे और उनके बल्ले से रन नहीं निकल रहे थे, लेकिन आखिरकार यह सलामी बल्लेबाज अपनी पुरानी लय में लौटने में सफल रहा। पावरप्ले में दिखा भारत का दम भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दमदार शुरुआत की। भारतीय टीम ने इस मैच के लिए प्लेइंग–11 में दो बदलाव किए। रिंकू सिंह की जगह संजू सैमसन को मौका मिला, जबकि वॉशिंगटन सुंदर की जगह अक्षर पटेल की एकादश में वापसी हुई। भारत को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने अच्छी शुरुआत दिलाई। भारत ने टी20 विश्व कप में पावरप्ले का अपना दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पावरप्ले में एक विकेट पर 82 रन बनाए जो उसका इस वैश्विक टूर्नामेंट में पावरप्ले में बनाया दूसरा सर्वोच्च स्कोर है। ये जिम्बाब्वे के खिलाफ किसी टीम का टी20 विश्व कप में पावरप्ले में बनाया गया सर्वाधिक स्कोर है। टी20 विश्व कप का पहला पचासा लगाया अभिषेक ने टी20 विश्व कप का अपना पहला पचासा लगाया। अभिषेक का बल्ला टी20 विश्व कप में खामोश था जिससे टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ गई थी, लेकिन अब उन्होंने अर्धशतक

लगाकर आलोचकों का मुंह बंद कर दिया है। अभिषेक के बल्ले से छह टी20 अंतरराष्ट्रीय पारियों के बाद अर्धशतक निकला है। इससे पहले आखिरी बार उन्होंने 25 जनवरी 2026 को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में पचासा लगाया था। उस वक्त अभिषेक ने नाबाद 68 रन बनाए थे। अभिषेक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 30 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 55 रन बनाए। 11 पारियों बाद चमके भारतीय ओपनर्स भारत के लिए जिम्बाब्वे के खिलाफ सैमसन और अभिषेक ने शानदार शुरुआत की। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़े। 11 टी20 पारियों बाद ऐसा हुआ जब भारत के लिए ओपनरों ने बड़ी साझेदारी की। इस साझेदारी का अंत सैमसन के आउट होने से हुआ जिन्हें ब्लेसिंग मुजरबानी ने अपना शिकार बनाया।

बल्लेबाजी क्रम बदलने से कैसे लौटा तिलक का फॉर्म?

चेन्नई। तिलक वर्मा ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव के बाद शानदार वापसी करते हुए आलोचकों को करारा जवाब दिया। टीम मैनेजमेंट ने उन्हें इस बार फिनिशर की भूमिका में उतारा, जहां उन्होंने डेथ ओवर्स में आते ही आक्रामक अंदाज दिखाया और सिर्फ 16 गेंदों में 44 रन ठोक दिए। क्रम में इस बदलाव ने उन्हें खुलकर खेलने की आजादी दी। तिलक ने सही गेंदों का इंतजार किया, कमजोर गेंदबाजों को निशाना बनाया और तेजी से रन गति बढ़ाई। टी20 विश्वकप 2026 में आखिरकार भारतीय बल्लेबाज फॉर्म में लौटे आए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ 256 रन बनाकर भारत ने जिम्बाब्वे को 184 रन पर रोक दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद भारतीय बल्लेबाजी की खूब आलोचना हुई थी। फिर प्लेइंग–11 में बदलाव की बात भी हुई थी। ऐसा कहा जा रहा था तिलक वर्मा को बाहर किया जाएगा, क्योंकि शुरुआती पांच पारियों में उनके कुल 107 रन थे। जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले तिलक वर्मा बेहद दबाव में थे। बल्ले से रन नहीं आ रहे थे और हर तरफ जमकर आलोचना हो रही थी। हालांकि, गुरुवार को चेपॉक स्टेडियम में टीम मैनेजमेंट ने तिलक के बैटिंग ऑर्डर में बदलाव किया और यह दांव एकदम सही बैठ गया। ऑर्डर में शडिमोशनश तिलक के लिए परफॉर्मेंस में शप्रमोशनश के रूप में आया। तिलक ने 44 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली तिलक ने जिम्बाब्वे के खिलाफ ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 16 गेंदों में 44 रनों की धमाकेदार नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी में तिलक ने 275 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए चीन चौके और चार छक्के लगाए।

भारत ने टी20 विश्व कप का अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया: आखिरी पांच ओवर में बने 80 रन

चेन्नई। भारत ने अभिषेक शर्मा और हार्दिक पांड्या के अर्धशतकों की मदद से जिम्बाब्वे को बड़ा लक्ष्य दिया। भारत ने इस तरह टी20 विश्व कप का दूसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया। भारतीय टीम लक्ष्य का बचाव करने में सफल रही और उसने 72 रन से मुकाबला अपने नाम किया। भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में दमदार प्रदर्शन किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट पर 256 रन बनाए। यह टी20 विश्व कप में भारत का सर्वोच्च स्कोर है। टीम ने इस तरह वैश्विक टूर्नामेंट में अपना 19 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। इस टूर्नामेंट में इससे पहले भारत का सबसे बड़ा टोटल 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ चार विकेट पर 218 रन था। टी20 विश्व कप का दूसरा सर्वोच्च टोटल

भारतीय टीम ने पहली बार टी20 विश्व कप में 250 रनों का आंकड़ा पार किया है। इससे पहले टीम कभी भी इतने रन इस वैश्विक टूर्नामेंट में नहीं बना सकी थी। वहीं, भारत का यह स्कोर टी20 विश्व कप का दूसरा सर्वोच्च टोटल भी है। भारत ने इस मामले में जिम्बाब्वे को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2026 में जिम्बाब्वे के खिलाफ छह विकेट पर 254 रन बनाए थे। टी20 विश्व कप में सबसे बड़ा टोटल बनाने का रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम है जिसने 2007 में केन्या के खिलाफ छह विकेट पर 260 रन बनाए थे। भारत की पारी में आए 17 छक्के भारत ने इस पारी में 17 छक्के लगाए जो टी20 विश्व कप की एक पारी में उनके द्वारा लगाए संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा छक्के हैं। भारत ने इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2024 में लगाए 15 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। भारत मौजूदा टूर्नामेंट में अब तक 63 छक्के लगा चुका है जो किसी एक टी20 विश्व कप में उसके द्वारा लगाए सबसे ज्यादा छक्के हैं। टीम ने 2024 में 61 छक्के लगाए थे। भारत से ज्यादा मौजूदा विश्व कप में वेस्टइंडीज ने छक्के लगाए हैं। वेस्टइंडीज की टीम अब तक 66 छक्के लगा चुकी है। अंतिम 30 गेंदों में बदला गियर भारतीय बल्लेबाजों ने अंतिम 30 गेंदों में गियर बदला जिससे टीम पहली बार टी20 विश्व कप में 250 रनों का आंकड़ा पार कर सकी। 15 ओवर की समाप्ति के बाद भारत का स्कोर चार विकेट पर 176 रन था। इसके बाद तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या ने विस्फोटक बल्लेबाजी की। इन दोनों बल्लेबाजों ने आखिरी पांच ओवर में 80 रन जुटाए। इतना ही आखिरी 12 गेंदों पर 36 रन आए जिसमें आखिरी दो गेंदों पर लगातार दो छक्के लगाना शामिल है।

लाल निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 365 अंक टूटा, निफ्टी 25400 के नीचे

नई दिल्ली। घरेलू बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ खुला। वहीं पिछले दिन यानी गुरुवार को सेंसेक्स 27.46 अंक गिरकर 82,248.61अंक पर बंद हुआ था, जबकि 50 शेयरों वाला निफ्टी 14.05 अंक बढ़कर 25,496.55 अंक पर बंद हुआ था। वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुझान और विदेशी निधियों की नई निकासी के चलते शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 364.62 अंक गिरकर 81,883.99 पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 117.15 अंक गिरकर 25,379.40 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 4 पैसे गिरकर 90.95 पर आ गया। सेंसेक्स की कंपनियों का हाल सेंसेक्स पैक में, मारुति, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और अल्ट्राटेक सीमेंट प्रमुख रूप से पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल थे। इंफोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक और इटरनल लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। यूरोपीय बाजारों में रहा मिला–जुला हाल एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 और शंघाई का एसएसई कंपोजिट इंडेक्स नीचे कारोबार कर रहे थे, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स सकारात्मक दायरे में कारोबार कर रहा था। गुरुवार को अमेरिकी बाजार अधिकतर गिरावट के साथ बंद हुआ। अमेरिका–ईरान के बीच चल रहे तनाव ने चिंता बढ़ाई ऑनलाइन ट्रेडिंग और वेल्थ टेक फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर हाल ही में हुई अमेरिका–ईरान वार्ता बिना किसी सफलता के समाप्त हो गई।

ब्लॉकचेन से बदलेगा लेन–देन का भविष्य, निवेशकों को ब्लॉकचेन विशेषज्ञ की अहम सलाह

नई दिल्ली। ब्लॉकचेन–आधारित वित्तीय लेन–देन का उभार किसी अस्थायी ट्रेंड से अधिक, एक संरचनात्मक बदलाव है। तेज सेटलमेंट, सीमा–पार लेन–देन और पारदर्शी लेजर ने दुनिया भर में मूल्य के प्रवाह के तरीके को नया रूप दिया है। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। वैश्विक वित्तीय प्रणाली एक शांत लेकिन निर्णायक परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। जो लेन–देन पहले कई स्तरों के मध्यस्थों, कागजी प्रक्रियाओं और संस्थागत भरोसे पर निर्भर होते थे, वे अब तेजी से कोड, एल्गोरिद्म और विकेंद्रीकृत नेटवर्क्स के माध्यम से संचालित हो रहे हैं। ब्लॉकचेन और डिजिटल एसेट्स अब सीमित या हाशिये की तकनीक नहीं रहे, बल्कि मुख्यधारा की वित्तीय चर्चाओं का हिस्सा बनते जा रहे हैं। इसी तेज स्वीकार्यता के बीच, ब्लॉकचेन विशेषज्ञ और वित्तीय निवेशक बृजमोहन सिंह एक संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं जो आशावाद के साथ सावधानी को भी समान महत्व देता है। सिंह के अनुसार, ब्लॉकचेन–आधारित वित्तीय लेन–देन का उभार किसी अस्थायी ट्रेंड से अधिक, एक संरचनात्मक बदलाव है। तेज सेटलमेंट, सीमा–पार लेन–देन और पारदर्शी लेजर ने दुनिया भर में मूल्य के प्रवाह के तरीके को नया रूप दिया है। सीमा–पार रेमिटेंस से लेकर संस्थागत स्तर की डिजिटल एसेट कस्टडी तक, वित्तीय लेन–देन की दुनिया स्पष्ट रूप से विकसित हो रही है। हालांकि, वे इस बात पर जोर देते हैं कि तकनीकी प्रगति को सुनिश्चित मुनाफे की गारंटी समझना एक बड़ी भूल हो सकती है। "निवेश से पहले दो बार सोचिए," सिंह उद्योग से जुड़ी चर्चाओं में अक्सर दोहराते हैं। यह संदेश ब्लॉकचेन या क्रिप्टो का विरोध नहीं, बल्कि वित्तीय परिपक्वता की अपील है। इतिहास गवाह है कि हर बड़े वित्तीय नवाचार चाहे वह शेयर बाजार हो या डेरिवेटिव्स में शुरुआती उत्साह अक्सर समझ से पहले सट्टेबाजी को जन्म देता है। सिंह के अनुसार, ब्लॉकचेन भी इससे अलग नहीं है। वर्तमान अपनाने के चरण की एक विशेषता यह है कि अब वैश्विक व्यापारिक नेता और बड़े संस्थान इसमें सक्रिय रूप से शामिल हो रहे हैं। बड़े एसेट मैनेजर्स टोकनाइज्ड एसेट्स की संभावनाएं तलाश रहे हैं, बहुराष्ट्रीय कंपनियां ब्लॉकचेन–आधारित सप्लाई चेन पर प्रयोग कर रही हैं, और भुगतान कंपनियां तेज काम के लिए डिजिटल एसेट रेल्स को एकीकृत कर रही हैं। यहां तक कि पारंपरिक बैंक, जो कभी संशय में थे, अब ब्लॉकचेन रिसर्च और इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारी निवेश कर रहे हैं। यह संस्थागत भागीदारी तकनीक में विश्वास को दर्शाती है, लेकिन यह व्यक्तिगत निवेशकों के लिए जोखिम को समाप्त नहीं करती। सिंह बताते हैं कि अनुभवी कारोबारी नेता ब्लॉकचेन को रणनीतिक दृष्टि से अपनाते हैं, भावनात्मक निर्णयों के आधार पर नहीं। उनकी भागीदारी आमतौर पर दीर्घकालिक विजन, नियामकीय अनुपालन और गहन शोध पर आधारित होती है। इसके विपरीत, खुदरा निवेशक अक्सर सुर्खियों, अल्पकालिक मूल्य उतार–चढ़ाव या सोशल मीडिया नैरेटिव्स से प्रभावित होकर बाजार में प्रवेश करते हैं। यही दृष्टिकोण का अंतर वित्तीय असुरक्षा को जन्म देता है। सिंह के विश्लेषण के अनुसार, नई वित्तीय लेन–देन दुनिया में तेजी से अधिक धैर्य और समझ को पुरस्कृत किया जाता है। ब्लॉकचेन का वास्तविक मूल्य घर्षण कम करने, भरोसा बढ़ाने और कुशल प्रणालियां बनाने में है न कि रातों–रात अमीर बनने में।

संक्षिप्त

कप्तान हरमनप्रीत ने जीता टॉस

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में शुक्रवार को यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया।पहले वनडे के दौरान हरमनप्रीत के घुटने में चोट लग गई थी लेकिन वह अब ठीक हैं। ऑस्ट्रेलिया की सोफी मोलिनी पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण श्रृंखला से बाहर हो गईं और उनकी जगह निकोला कैरी को अंतिम एकादश में शामिल किया गया है।

सिलेंडर की सप्लाई से शुरू हुआ था रिंकू सिंह का सपना, मुकाम तक पहुँचाकर खामोश हो गए पिता खानचंद

भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े शफिनिशरश रिंकू सिंह आज खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं। जिस पिता ने कंधे पर भारी गैस सिलेंडर ढोकर रिंकू के लिए क्रिकेट की किट खरीदी थी, आज उन कंधों का सहारा हमेशा के लिए छिन गया। लीवर कैंसर से लंबी लड़ाई के बाद खानचंद सिंह ने आज तड़के दुनिया को अलविदा कह दिया। रिंकू जब मैदान पर लंबे छक्के मारकर करोड़ों भारतीयों का दिल जीतते थे, तब अलीगढ़ की गलियों में सिलेंडर पहुँचाने वाले खानचंद सिंह की आँखों में गर्व के आँसू होते थे। रिंकू के लिए वे केवल एक पिता नहीं, बल्कि वह हिम्मत थे जिसने गरीबी की जंजीरों को तोड़कर एक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पैदा किया। आज रिंकू सिंह भले ही करोड़ों के मालिक हैं, लेकिन वह अनमोल दौलत खो गई जिसने उन्हें शशून्यश से शशिखरश तक पहुँचाया था। क्रिकेटर के पिता कैंसर से पीड़ित थे और काफी समय से ग्रेटर नोएडा के एक निजी अस्पताल में उनका इलाज हो रहा था। अस्पताल के चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। ग्रेटर नोएडा के यथार्थ हॉस्पिटल के प्रवक्ता डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह लिवर के कैंसर से जूझ रहे थे। हाल में उनकी तबीयत काफी बिगड़ गई थी, जिसके बाद 21 फरवरी से वह अस्पताल में ही भर्ती थे। उन्हें जीवन रक्षक प्रणाली वेंटिलेटर पर रखा गया था और आज तड़के उन्होंने अंतिम सांस ली। पिता की गंभीर हालत होने के कारण रिंकू सिंह को टी20 विश्वकप को बीच में छोड़कर देश लौटना पड़ा था। हालांकि 26 फरवरी को जिम्ब्बाब्वे से होने वाले मैच से पहले वह वापस भारतीय टीम के साथ जुड़ गए थे। हाल में वह अपने पिता से मिलने के लिए नोएडा भी पहुंचे थे। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के रहने वाले 28 वर्षीय रिंकू सिंह की सफलता के पीछे उनके पिता का बहुत बड़ा हाथ रहा है। अलीगढ़ में गैस सिलेंडर आपूर्ति का काम करने वाले खानचंद सिंह ने तमाम अभावों के बावजूद रिंकू के क्रिकेटर बनने के सपने को पूरा करने में हरसंभव मदद की। परिवार ने बताया कि खानचंद सिंह का अंतिम संस्कार अलीगढ़ में होगा और रिंकू सिंह भी अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए आ रहे हैं।

टीम इंडिया के लिए आई गुड़ न्यूज!

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में रोमांच अपने चरम पर है। पॉइंट्स टेबल और नेट रन रेट के गणित ने फैंस को उलझा रखा है, लेकिन गुरुवार को साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज के बीच हुए मैच ने कई समीकरण साफ कर दिए हैं। इस मैच के नतीजे से भारतीय प्रशंसकों को बड़ी राहत मिली है। साउथ अफ्रीका की एकतरफा जीत अहमदाबाद में खेले गए सुपर–8 के इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 176 रन बनाए थे। जवाब में साउथ अफ्रीका ने एडेन मार्करम की शानदार नाबाद 82 रनों की पारी की बदौलत केवल 16.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। मार्करम को उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए श्प्लेयर ऑफ द मैचश चुना गया। भारत के लिए क्या बदले समीकरण? साउथ अफ्रीका की इस बड़ी जीत ने भारत के लिए सेमीफाइनल की राह बेहद आसान कर दी है। अब भारत को नेट रन रेट के झंझट में पड़ने की जरूरत नहीं हैय वह अपने अगले दोनों मैच जीतकर सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकता है।पॉइंट्स टेबल का ताजा हाल इस जीत के साथ साउथ अफ्रीका ग्रुप–1 में लगातार दो जीत दर्ज कर शीर्ष (नंबर 1) पर पहुंच गया है, जबकि वेस्टइंडीज हार के बाद दूसरे स्थान पर खिसक गया है। वर्तमान में साउथ अफ्रीका का नेट रन रेट 2.890 है, वहीं वेस्टइंडीज का गिरकर 1.791 रह गया है। भारत फिलहाल तीसरे स्थान पर है, लेकिन उसके पास आगे बढ़ने का सबसे अच्छा मौका है। पाकिस्तान की उम्मीदें अभी भी जिंदा ग्रुप–2 की बात करें तो इंग्लैंड पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुका है। दूसरे स्थान के लिए न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच मुकाबला रोमांचक हो गया है। न्यूजीलैंड का नेट रन रेट 3.050 है, जबकि पाकिस्तान का –0.461 है। अगर पाकिस्तान अपना अगला मैच जीत जाता है और न्यूजीलैंड अपना मैच हार जाता है, तो पाकिस्तान सेमीफाइनल में जगह बना सकता है।

विकसित भारत 2047 की यात्रा में महिलाएं केंद्रीय सूत्रधार, बोलीं डॉ प्रीति अदाणी

नई दिल्ली। अदाणी फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. प्रीति अदाणी ने नई दिल्ली में आयोजित श्सशक्त नारी, विकसित भारतश सम्मेलन में महिलाओं को शविकसित भारत 2047श की परिकल्पना का मुख्य आधार बताया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की उपस्थिति में उन्होंने जोर दिया कि वास्तविक सशक्तिकरण केवल एक संकल्पना नहीं है, बल्कि यह संसाधनों तक आसान पहुंच और महिलाओं की सतत आर्थिक भागीदारी से जुड़ा विषय है। पढ़ें पूरी खबर। अदाणी फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. प्रीति अदाणी ने भारत के विकसित भारत 2047 की यात्रा में महिलाओं को केंद्रीय सूत्रधार बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने श्सशक्त नारी, विकसित भारतश सम्मेलन में कहा कि महिलाओं की आर्थिक क्षमता विकसित भारत की परिकल्पना का केंद्रबिंदु है। यह सम्मेलन नई दिल्ली में चिंतन रिसर्च फाउंडेशन द्वारा 26 फरवरी 2026 को आयोजित किया गया था।डॉ. अदाणी ने महिला व बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी का स्वागत करते हुए महिला नेतृत्व वाले विकास के पीछे की नीतिगत गति को स्वीकार किया। उन्होंने संकल्पना से आगे बढ़कर सतत आर्थिक भागीदारी की ओर बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने जोर दिया कि सशक्तिकरण की शुरुआत पहुंच से होती है।

48 घंटे से अधिक समय से बसपा विधायक के ठिकानों पर आईटी रेड, साथी ठेकेदार के यहां भी कार्रवाई

लखनऊ,संवाददाता। बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के ठिकानों पर आयकर विभाग की छापेमारी 48 घंटे से अधिक समय से जारी है। 25 फरवरी से शुरू हुई यह कार्रवाई लखनऊ, बलिया, सोनभद्र और कौशांबी तक हो रही है। शुक्रवार सुबह भी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित सीएसआईएल कार्यालय में आयकर अधिकारियों की टीम दस्तावेजों की जांच में जुटी रही। उमा शंकर सिंह के करीबी ठेकेदार के यहां भी छापेमारी चल रही है। विधायक की कंपनी 'छात्र शक्ति इंफ्रा कंस्ट्रक्शन लिमिटेड' (सीएसआईएल) का कार्यालय गोमतीनगर के बी–5/299, विपुल खंड में स्थित है। आयकर विभाग की जांच का केंद्र कंपनी से जुड़े वित्तीय लेन–देन और खनन कारोबार से संबंधित दस्तावेज बताए जा रहे हैं। 48 घंटे से अधिक समय से जारी इस कार्रवाई ने प्रदेश की राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा कि आयकर विभाग किन निष्कर्षों पर पहुंचता है। बुधवार सुबह 50 से अधिक आयकर अधिकारी गाड़ियों के काफिले के साथ गोमतीनगर स्थित विधायक के आवास पहुंचे और पूरे परिसर को घेर लिया था। किसी को अंदर–बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। टीम ने घर और कार्यालय में रखी फाइलें, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और वित्तीय रिकॉर्ड खंगाले। रेड की सूचना मिलते ही विधायक के समधी और पूर्व विधायक राकेश सिंह मौके पर पहुंचे, लेकिन अधिकारियों ने

उमाशंकर सिंह, विधायक

उन्हें अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं दी थी। गुरुवार को लखनऊ आवास पर छापेमारी बंद कर दी गई थी। लेकिन 48 घंटे से ऑफिस में जारी से है। सोनभद्र के रॉबर्ट्सगंज स्थित कंपनी कार्यालय पर आयकर की टीम 12 गाड़ियों में पहुंची। बताया जा रहा है कि कुछ गाड़ियों पर शादी के पंपलेट लगे थे, जिससे संदेह न हो। यहां भी कई घंटों तक दस्तावेजों की जांच की गई थी। बलिया के रसड़ा स्थित विधायक के आवास पर भी मेन गेट बंद कर सर्चिंग की गई थी। इसके अलावा कौशांबी में उनके गिट्टी और बालू मिक्सिंग प्लांट पर आयकर विभाग ने कार्रवाई करते हुए कर्मचारियों से पूछताछ की और रिकॉर्ड जब्त किए। सूत्रों के मुताबिक, अगस्त 2025 में आई सीएलई रिपोर्ट में उनकी कंपनी पर 33,604 घनमीटर गिट्टी के अवैध खनन का आरोप लगा था, जिससे सरकार को करोड़ों रुपए के नुकसान की बात सामने आई थी। माना जा रहा है कि इसी रिपोर्ट के आधार पर आयकर विभाग ने यह कार्रवाई शुरू की है। हालांकि, विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। उमाशंकर सिंह बलिया की रसड़ा विधानसभा सीट से लगातार तीसरी बार विधायक हैं। वे ब्लड कैंसर से पीड़ित हैं और हाल ही में अमेरिका से ब्लड चेंज कराकर लौटे हैं। फिलहाल लखनऊ स्थित आवास पर आइसोलेशन में रहकर इलाज करा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, टीम को करीब साढ़े 11 करोड़ रुपए कैश मिले हैं। इसके अलावा महंगी घड़ियां, सोना–चांदी और कीमती जेवर भी बरामद हुए हैं। बुधवार को आयकर टीम ने एक साथ 15 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की थी। सूत्रों के मुताबिक, आयकर विभाग 1000 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी के मामले में फाइलें, इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और अन्य रिकॉर्ड खंगाल रहा है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर बरामदगी की पुष्टि नहीं की गई है। लखनऊ में बुधवार सुबह साढ़े सात बजे शुरू हुई कार्रवाई आज सुबह 9 बजे तक चली। करीब 50 अधिकारियों ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान किसी के भी अंदर–बाहर जाने पर रोक लगा दी गई थी। विधायक और उनका परिवार घर के अंदर ही मौजूद था। वहीं, सोनभद्र में छात्रशक्ति कंस्ट्रक्शन के ऑफिस में 24 अधिकारी मौजूद हैं। गेट अंदर से बंद है। कंपनी के कर्मचारी भी भीतर हैं। रात में बाहर से खाना मंगवाकर अधिकारियों ने भोजन किया। बुधवार को अफसर बाराती बनकर पहुंचे थे। उनकी गाड़ियों पर शादी के पंपलेट लगे हुए थे। उमाशंकर सिंह, बलिया की रसड़ा विधानसभा से लगातार तीन बार विधायक हैं। उन्हें ब्लड कैंसर है। वे पिछले महीने ही अमेरिका से ब्लड चेंज कराकर लौटे हैं। फिलहाल, लखनऊ आवास पर आइसोलेशन में रहकर इलाज करा रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस छापेमारी को मानवता के खिलाफ बताया था। योगी सरकार में मंत्री दिनेश सिंह, उमाशंकर सिंह के समधी हैं। उन्होंने कहा– एक बेटी का बाप होने के नाते मैं उसके सुख–दुख में खड़ा रहूंगा। बेटी नहीं छोड़ी जा सकती, राजनीति छोड़ी जा सकती है। 2022 के शपथ पत्र के अनुसार, उमाशंकर सिंह की कुल संपत्ति करीब 54.05 करोड़ रुपए है। इसमें 18.05 करोड़ की चल और 35.99 करोड़ की अचल संपत्ति शामिल है। उन पर 13 करोड़ रुपए का कर्ज भी है। उमाशंकर सिंह राजनीति के साथ कारोबार की दुनिया में भी सक्रिय रहे हैं। उनकी 'छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन्स' नाम की कंपनी है, जो सड़क निर्माण का काम करती है। कंपनी ने विभिन्न स्थानों पर रोड कंस्ट्रक्शन के प्रोजेक्ट पूरे किए हैं। इसके अलावा उनकी कंपनी माइनिंग सेक्टर में भी काम करती रही है। निर्माण और खनन के साथ वह शिक्षा और होटल कारोबार से भी जुड़े रहे हैं। उमाशंकर की पत्नी पुष्पा सिंह 'सीएस इन्फ्रा कंस्ट्रक्शन लिमिटेड' की मैनेजिंग डायरेक्टर हैं। कंपनी इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्माण से जुड़े काम करती है।

रोटरी क्लब लखनऊ का 89वां चार्टर डे एवं रोटरी इंटरनेशनल फाउंडेशन डे समारोह सम्पन्न

लखनऊ,संवाददाता। रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ द्वारा 14।, रोटरी मार्ग, निराला नगर स्थित रोटरी भवन में 89वां चार्टर डे एवं रोटरी इंटरनेशनल के फाउंडेशन डे का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एनडी रोटेरियन मंकेश्वर पांडेय अपनी धर्मपत्नी सहित सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। क्लब द्वारा विशेष रूप से पद्मश्री सम्मान से अलंकृत प्रो. डॉ. रोटेरियन राजेंद्र प्रसाद को सम्मानित किया गया। उनके सामाजिक एवं शैक्षिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान की सराहना करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ के अध्यक्ष रोटेरियन गणेश अग्रवाल ने की, जबकि संचालन सचिव रोटेरियन विभोर अग्रवाल द्वारा किया गया। अपने संबोधन में अध्यक्ष ने रोटरी के सेवा कार्यों, समाज के प्रति प्रतिबद्धता तथा मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने के संकल्प को दोहराया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ लखनऊ के पूर्व अध्यक्षों को उनके उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया ।कार्यक्रम के मुख्य आयोजक असिस्टेंट गवर्नर रो० प्रवीण कुमार मित्तल थे। रोटरी के प्रति समर्पण और सेवा के संकल्प के साथ समारोह का सफल समापन हुआ।कार्यक्रम में पीडीजी सी पी अग्रवाल, दीपक व संगीता मरवाहा, अजय सक्सेना, वाई के गोयल,विनोद चन्द्रमणि,नरेश अग्रवाल, संगीता मित्तल, अनिल सिंघल, निर्मल, विनीता, अंजना व अन्य क्लब के प्रेसिडेंट्स व सेक्रेटरी उपस्थित थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोटेरियन्स एवं उनके जीवनसाथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

ब्रेकथ्रू द्वारा 'दे ताली, सपनों से सफलता तक' 55,000 युवाओं की समानता और सशक्तिकरण के लिए एकजुट आवाज

लखनऊ,संवाददाता। महिलाओं और किशोरियों के लिए समान अवसरों और सशक्त भविष्य की दिशा में कार्यरत संस्था ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम 'दे ताली सपनों से सफलता तक' का आयोजन किया।

अनाथालय के बच्चों को होली किट वितरित कर उनके साथ त्योहार की खुशियाँ साझा की

लखनऊ,संवाददाता। लुलु हाइपरमार्केट लखनऊ ने एक बार फिर आपसी एकता के मूल्यों को साकार करते हुए होली के पावन अवसर पर एक विशेष पहल की। "हैप्पी होली" अभियान के अंतर्गत लुलु हाइपरमार्केट की टीम ने श्रीमद दयानंद बालसदन अनाथालय के बच्चों को होली किट वितरित कर उनके साथ त्योहार की खुशियाँ साझा कीं। इस अवसर पर बच्चों के साथ उत्साह और मुस्कान का सुंदर संगम देखने को मिला। होली किट पाकर सभी बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कार्यक्रम के दौरान टीम ने बच्चों के साथ समय बिताया और प्रेम, अपनत्व एवं साथ मिलकर त्योहार मनाने का संदेश दिया। यह पहल लुलु हाइपरमार्केट की उस सोच को दर्शाती है, जिसमें हर त्योहार को समाज के सभी वर्गों के साथ मिलकर मनाने पर जोर दिया जाता है।लुलु समूह का मानना है कि सच्ची खुशी तब होती है जब उसे साझा किया जाए और हर चेहरे पर मुस्कान लाई जाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय निदेशक दृ उत्तर प्रदेश, तेलंगाना एवं दिल्ली, श्री नोमान अजीज खान ने कहा, "होली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने का अवसर है। लुलु हाइपरमार्केट हमेशा से एकता, प्रेम और साथ मिलकर आगे बढ़ने की भावना को प्रोत्साहित करता रहा है। बच्चों के साथ यह समय बिताना हमारे लिए बेहद विशेष और भावनात्मक अनुभव रहा।" वहीं, लुलु हाइपरमार्केट के जनरल मैनेजर श्री सुनील शर्मा ने कहा कि लुलु का प्रयास रहता है कि हर त्योहार को सभी के साथ मिलकर मनाया जाए। उन्होंने कहा, "खुशियाँ बाँटने से ही बढ़ती हैं, और लुलु परिवार इसी भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है।"

सीएम योगी ने दिए निर्देश, सभी कर्मचारियों का वेतन होली से पहले देना सुनिश्चित करें, तीन मार्च को भी छुट्टी

लखनऊ,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी कर्मचारियों के वेतन का भुगतान होली से पहले करने का निर्देश दिया है और कहा कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को सभी कर्मचारियों का वेतन होली से पहले देने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि आउटसोर्सिंग ध् संविदाकर्मी ध सफाईकर्मी आदि सभी कर्मियों के वेतन का भुगतान होली के पहले कर दिया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही 3 मार्च को भी होली का अवकाश रहेगा। 10 मार्च तक संपत्तियों का ब्योरा देने वाले राज्य कर्मियों को मिलेगा वेतन चल–अचल संपत्ति का विवरण न देने वाले राज्यकर्मियों को 10 मार्च तक ब्योरा देने पर जनवरी का वेतन जारी किया जाएगा। लेकिन 31 जनवरी 2026 तक विवरण न देने वाले 47816 कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी। मुख्य सचिव एसपी गोयल द्वारा जारी शासनादेश के मुताबिक, 24 नवंबर 2025 को जारी आदेश के तहत कर्मचारियों को 31 जनवरी 2026 तक चल–अचल संपत्ति का विवरण देना था। 6 जनवरी 2026 को स्पष्ट किया गया था कि जो कर्मचारी विवरण अपलोड नहीं करेंगे, उन्हें जनवरी का वेतन नहीं मिलेगा। 31 जनवरी तक 47,816 कर्मचारियों ने ब्योरा नहीं दिया। सरकार ने 26 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक एक बार फिर अवसर दिया है, लेकिन इसे प्रतिबंधों के साथ जोड़ा गया है। संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। वर्तमान चयन वर्ष में पदोन्नति पर विचार नहीं किया जाएगा। देय होने पर भी इस वर्ष एसीपी का लाभ नहीं मिलेगा। विदेश यात्रा, प्रतिनियुक्ति आदि के लिए विजिलेंस क्लीयरेंस नहीं दी जाएगी।

किसानों ने एलडीए के खिलाफ जमकर विरोध–प्रदर्शन किया

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयवाद ने लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के खिलाफ जमकर विरोध–प्रदर्शन किया। किसान हाथों में डंडा–झंडा और

हसिया लेकर पहुंचे । प्रदर्शन में शामिल महिला और पुरुष किसानों नारा लगाया जो ना माने झंडे से उसे समझाओ डंडे से। नाराज किसानों ने एलडीए के पुतले पर चोर लिखा। उसके बाद उसकी डंडों से पिटाई की। हसिया से काटा। किसान अपनी मांगों को लेकर एलडीए के मुख्य द्वार पर दरी बिछाकर बैठ गए हैं। किसान नेता अशोक यादव ने कहा किसानों को सिर्फ गुमराह किया जा रहा है। 40 वर्ष पूर्व 1984 में हमारी जमीन लखनऊ विकास प्राधिकरण ने अधिकृत कर ली थी। उस समय 84 पैसे के हिसाब से मुआवजा तय हुआ। हम लोगों ने फिर वार्ता किया, तो मुआवजा 2.5 रुपए हुआ। कुछ लोग कोर्ट चले गए इसके बाद 4 रुपये 60 पैसे दर के हिसाब से तय हुआ। 2016 में अंतिम मोहरश्कोर्ट के द्वारा लगी की 4.60 पैसे सभी किसानों को दिया जाए, लेकिन एलडीए कह रहा है कि हमारे पास पर्याप्त धनराशि नहीं है, इसलिए हम मुआवजा नहीं दे पाएंगे। जमीन अधिकृत करते समय विभिन्न प्रकार की सुविधा देने की बात कही थी। जिसमें मुख्य रूप से प्रत्येक परिवार को नौकरी, आवास, गांव का विकास और किसान भवन समेत तमाम चीजें शामिल थी। किसानों ने कहा कि लखनऊ का किसान आज दर–दर की ठोकर खाने पर मजबूर है। 3 श्मशान स्थल थे, जिसमें से सिर्फ एक ही बचा है। एलडीए ने हमसे वादा किया था कि 400 चबूतरे विराज खंड में दिया जाएंगे जिस पर हमारे किसान भाई अपना रोजगार करेंगे। मगर एलडीए हमारे साथ धोखा किया मात्र 120 चबूतरे दिए वो भी दूसरे इलाके में। हमारे किसान परिवार की औरतें आज लोगों के घरों में झाड़ू पोछा करने पर मजबूर हैं। किसान प्रधान देश में अन्नदाता की यह स्थिति हो गई है कि दो वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं। भूमि अधिग्रहण करते समय जो वादा किया था एक भी पूरा नहीं हुआ। प्रशासन और एलडीए के अधिकारी मिलकर हमें गुमराह कर रहे हैं।प्रदर्शन कर रही राधा ने कहा कि आज हम लोग यहां से अपना अधिकार लेकर जाएंगे आर पार की लड़ाई के लिए आए हैं। अगर मांग पूरी नहीं हुई तो गेट में ताला लगाकर अधिकारियों को कैद कर देंगे बैल भैंस की तरह।

संक्षिप्त समाचार

योगी ने भरोसेमंद पूर्व आईएएस अवनीश अवस्थी का कार्यकाल बढ़ाया

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सलाहकार अवनीश अवस्थी का कार्यकाल एक साल के लिए और बढ़ा दिया गया है। अब वह 28 फरवरी 2027 तक मुख्यमंत्री के सलाहकार बने रहेंगे। इस संबंध में शासन ने आदेश जारी किया गया है। रिटायर्ड आईएएस अवस्थी, मुख्यमंत्री योगी के करीबी अधिकारियों में गिने जाते रहे हैं। यूपी के अपर मुख्य सचिव पद से फरवरी 2022 में रिटायर होने के बाद उन्हें मुख्यमंत्री का सलाहकार नियुक्त किया गया था। इसके बाद लगातार चौथी बार उनका कार्यकाल बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री के चार दिवसीय सिंगापुर और जापान दौरे पर भी वह उनके साथ रहे। शुक्रवार भोर में मुख्यमंत्री लखनऊ लौटे हैं। 1987 बैच के आईएएस अधिकारी अवनीश अवस्थी 31 अगस्त 2022 को उत्तर प्रदेश के अपर मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए थे। रिटायरमेंट के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें अपना सलाहकार नियुक्त किया था। इसके लिए प्रशासन ने एक अस्थाई 'निःसंवर्गीय पद' का सृजन किया। पहली बार उन्हें फरवरी 2023 तक नियुक्त किया गया था, इसके बाद इसे बढ़ाकर फरवरी 2024 किया गया। फिर फरवरी 2025 और फरवरी 2026 तक सेवा विस्तार मिला। अब चौथी बार उन्हें फरवरी 2027 तक सेवा विस्तार मिला है। अवनीश अवस्थी ने उत्तर प्रदेश में सबसे लंबे समय तक गृह विभाग संभाला। 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद उन्हें केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस बुलाया गया। उन्होंने सूचना विभाग, गृह विभाग और यूपीडा के सीईओ के रूप में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं को गति देने में अहम भूमिका निभाई। गंगा एक्सप्रेसवे भी अब लगभग तैयार हो चुका है। कोरोना काल के दौरान ऑक्सीजन प्रबंधन और मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करने में भी उनकी विशेष भूमिका रही, जिसे काफी सराहा गया। चौथी बार सेवा विस्तार मिलने के साथ अब अवनीश अवस्थी के कंधों पर उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने का लक्ष्य धरातल पर उतारने की बड़ी जिम्मेदारी है। विशेष रूप से सिंगापुर और जापान के दौरों से आए ढाई लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों को जमीन पर लागू करना और औद्योगिक गलियारों को विकसित करना उनकी प्राथमिकता होगी। अगले साल होने वाले चुनाव से पहले प्रदेश की बड़ी परियोजनाओं को पूरा कराने पर भी जोर रहेगा। शासन का मानना है कि उनकी निरंतरता से यूपी के विकास कार्यों की गति और प्रशासनिक समन्वय बना रहेगा।

लोकभवन के महिला ने खुद के ऊपर पेट्रोल डाला, आग लगाने से पहले पुलिस ने पकड़ा

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार दोपहर हजरतगंज स्थित लोकभवन के गेट पर एक महिला ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। मौके पर तैनात के आत्मदाह दस्ते ने महिला को आग लगाने से पहले ही काबू में कर लिया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला अचानक लोक भवन के गेट के पास पहुंची। अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया। इससे पहले कि वह आग लगा पाती, ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ लिया। उसे थाने ले जाया गया। महिला की पहचान संध्या सिंह के रूप में हुई है। वह न्यू श्रीनगर मानकनगर की रहने वाली है। संध्या का मानक नगर क्षेत्र में जमीनी विवाद चल रहा है। संध्या सिंह का आरोप उसकी जमीन पर इकबाल सिंह ने कब्जा किया है। लेखपाल की रिपोर्ट के बाद इकबाल सिंह धमका रहा है। गालियां दे रहा है। उन्होंने स्थानीय पुलिस और तहसील प्रशासन से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

उत्तर प्रदेश मीन महोत्सव और एक्वा एक्सपो–2026" शुरू

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ में आज से 2 दिवसीय "उत्तर प्रदेश मीन महोत्सव और एक्वा एक्सपो–2026" शुरू हुआ। महोत्सव 27 और 28 फरवरी 2026 को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में चलेगा। भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल और प्रदेश सरकार के मत्स्य विकास कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने महोत्सव का उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री एसपी बघेल ने कहा इस शहर में आम महोत्सव होता था। मीन महोत्सव पहली बार हो रहा है। डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा बैंक वाले बहुत बदमाश हैं। विभाग से भी मत्स्य पालक का सर्टिफिकेट जारी होने के बाद भी किसानों लोन के लिए दौड़ाया जाता है। अधिकारियों से कहना चाहूंगा कि किसानों को हैरेस मत करिए कि वह मत्स्य विभाग से हट कर दूसरी जगह चले जाएं। मत्स्य सहकारी समिति अध्यक्ष वीरू साहनी ने कहा एसडीएम द्वारा काम नहीं किया जा रहा है। किसानों को ठेका देने के लिए दौड़ाया जाता है। इस पर मैं मुख्यमंत्री से कहूंगा कि उनसे पावर छिन लिया जाए। मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार अवनीश अवस्थी ने महिला किसान से पूछा– आपको मत्स्य विभाग की योजनाओं का लाभ मिला या नहीं? महिला ने कहा, नहीं। जिस पर अवनीश अवस्थी ने डायरेक्ट को बुलाकर कहा कि इनका नाम नोट करिए। इनको योजनाओं का लाभ दीजिए और हमें बताइए।

यूपी में होली पर 4 दिन बंद रहेंगे स्कूल,कॉलेज और सरकारी दफ्तर

लखनऊ,संवाददाता। योगी सरकार ने होली के त्योहार को देखते हुए प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों और छात्र–छात्राओं के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदेश जारी किया है कि होली के अवसर पर प्रदेश के स्कूल, कॉलेज और सरकारी दफ्तर लगातार तीन दिनों तक बंद रहेंगे। आधिकारिक कैलेंडर के अनुसार, 2, 3 और 4 मार्च को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। 1 मार्च को रविवार है इसलिए प्रदेश में लगातार चार दिनों तक अवकाश का माहौल रहेगा। हालांकि, छुट्टियों के इस लंबे अंतराल को देखते हुए प्रशासनिक व्यवस्था में एक विशेष बदलाव किया गया है। 28 फरवरी को कार्यदिवस घोषित किया गया है, ताकि वेतन संबंधी प्रक्रियाएं और जरूरी विभागीय कार्य समय से पूरे किए जा सकें। इसके बदले में सरकार ने 3 मार्च को विशेष अवकाश देने का निर्णय लिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक शिल्पी सिंघल द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस, बी.42, सै.7 नोएडा, गौतमबुद्धनगर, से मुद्रित कराकर 136/2/17 शिवम विहार, राजपुर रोड देहरादून (उत्तराखंड) देहरादून उत्तराखंड से प्रकाशित किया। संपादक शिल्पी सिंघल,
फोन न. 9311450661,9810400661 किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा देहरादून के न्यायालय में ही होगा Email:-manasvivani@gmail.com website : www.manasvivani.com

मीरा चोपड़ा

बहन प्रियंका चोपड़ा को अपनी फिल्म में लेना अफोर्ड नहीं कर सकती

एक्ट्रेस मीरा चोपड़ा ने साउथ और बॉलीवुड की काफी फिल्में की हैं और अब हाल ही उन्होंने साइलेंट फिल्म श्गांधी टॉक्सश को प्रोड्यूस किया। उन्होंने श्नवभारत टाइम्सश संग इंटरव्यू में फिल्ममेकर के तौर पर चुनौतियों के अलावा श्गांधी टॉक्सश पर प्रियंका चोपड़ा के रिएक्शन और उनके संग काम करने को लेकर बात की।

बहन प्रियंका चोपड़ा को अपनी फिल्म में लेना अफोर्ड नहीं कर सकती, च्पबरू डममतं बिवचतं प्देजंहतंउ

मीरा चोपड़ा साउथ और बॉलीवुड फिल्मों के अलावा प्रियंका चोपड़ा की कजिन बहन के तौर पर पहचानी जाती हैं। शादी के बाद वह फिल्मों से दूर थीं लेकिन अब बतौर फिल्ममेकर उन्होंने साइलेंट फिल्म श्गांधी टॉक्सश के साथ वापसी की। हमसे खास बातचीत में उन्होंने अपने करियर, प्रियंका चोपड़ा की सलाह सहित कई विषयों पर बात की।

बतौर फिल्ममेकर डेब्यू करने के बाद क्या वह आगे अपनी फिल्म में बहन प्रियंका चोपड़ा को कास्ट करने के बारे में सोचती हैं। इस सवाल के जवाब में उन्होंने हंसते हुए कहा, श्नहीं...नहीं। अभी तो मैं वो नहीं कर सकती। मैं अभी उनको एफोर्ड ही नहीं कर सकती हूं। मैं कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोचती हूं। हां जब बड़ी फिल्ममेकर बन जाऊंगी तो एक दिन अपनी फिल्म में प्रियंका को कास्ट करना चाहूंगी।श

श्फिल्म बनाने के लिए प्रियंका ने किया प्रेरितश

बिजनेस में हाथ आजमाने के मीरा के फैसले पर बहन प्रियंका चोपड़ा का क्या रिएक्शन था? इस बारे में वह बताती हैं, श्मैंने सीधे उन्हें अपनी फिल्म (गांधी टॉक्स) का टीजर भेजा। मैंने उनको बताया कि ये फिल्म मैंने प्रोड्यूस की है। उनको इस पर बहुत गर्व महसूस हुआ। प्रियंका का व्यवहार कुछ ऐसा है कि हम में से कोई जब कुछ अच्छा करता है, तो वह बहुत गौरवान्वित महसूस करती हैं। प्रियंका ने मुझे कहा था कि फिल्म बनाना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, आपने टीजर बना दिया है तो प्लीज अब फिल्म बनाओ। दरअसल, उन्होंने इस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि इस वर्ल्ड में जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वो ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। जब आपके परिवार में ऐसा कोई होता है तो आप उससे प्रेरित होते हैं। आप पहले उसको देखते हैं। हमेशा एक चाह थी कि मैं कुछ ऐसा करूं कि प्रियंका कहे कि मुझे तुम पर गर्व है और उन्होंने ऐसा कहा, ये मेरे लिए ये बड़ी है।

प्रियंका ने मुझे कहा था कि फिल्म बनाना बिल्कुल भी आसान काम नहीं है, आपने टीजर बना दिया है तो प्लीज अब फिल्म बनाओ। दरअसल, उन्होंने इस इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि इस वर्ल्ड में जिस तरह से अपनी पहचान बनाई है, वो ग्लोबल स्टार बन चुकी हैं। जब आपके परिवार में ऐसा कोई होता है तो आप उससे प्रेरित होते हैं।

श्एक्टिंग में लगातार काम नहीं मिलताश

एक इंटरव्यू में मीरा ने कहा था कि वह स्क्रीन पर वापसी के लिए लोगों के संपर्क में हैं। लेकिन अब वह बतौर फिल्ममेकर वापसी कर रही हैं। क्या शादी के बाद एक्टिंग में लौटना उनके लिए चुनौती भरा फैसला है? इस पर वह कहती हैं, श्मेरे सामने ऐसी कोई चुनौती नहीं आई। लेकिन एक्टिंग में क्या है कि आपको दो साल काम नहीं मिला तो आप काम नहीं करोगे, फिर एकदम से एक ही साल में दो प्रोजेक्ट आ जाएं तो आप काम करोगे। दरअसल, एक्टिंग ऐसा पेशा नहीं है कि लगातार आपको काम दे ही देगा। मैं ऐसा प्रोफेशन चाहती थी कि आपका लगातार काम चलता रहे, इसलिए मैंने प्रोडक्शन का काम शुरू किया। वो मेरे कंट्रोल में है कि मुझे कब क्या बनाना है, क्या करना है। एक्टिंग में तो जब प्रोजेक्ट मिलेगा, जब आपको कुछ अच्छा लगेगा तब आप कर पाओगे। मैंने तीन साल काम करने के बाद फिर सोचा कि अब एक्टिंग में वापसी करूंगी और बहुत जल्द मैं आपको स्क्रीन पर दिखूंगी। एक्टिंग मेरा प्यार है, मैं जिंदगी में चाहे कुछ भी करूं, एक्टिंग नहीं छोड़ूंगी।श

मैं ऐसा प्रोफेशन चाहती थी कि आपका लगातार काम चलता रहे, इसलिए मैंने प्रोडक्शन का काम शुरू किया। वो मेरे कंट्रोल में है कि मुझे कब क्या बनाना है, क्या करना है। एक्टिंग में तो जब प्रोजेक्ट मिलेगा, जब आपको कुछ अच्छा लगेगा तब आप कर पाओगे। मैंने तीन साल काम करने के बाद फिर सोचा कि अब एक्टिंग में वापसी करूंगी और बहुत जल्द मैं आपको स्क्रीन पर दिखूंगी।

श्दिल्ली के बारे में कोई बुराई करें तो सहन नहीं होताश

मीरा दिल्ली से हैं। दिल्ली के बारे में वह किन चीजों को याद करती हैं? वह कहती हैं, श्मैं दिल्ली आकर मोती महल का बटर चिकन जरूर खाती हूं। मेरा भाई कहीं से बिरयानी लेकर आता है। मैं मॉडल टाउन में रहती हूं तो वहां पर छोले भटूरे मुझे बहुत पसंद हैं। मुंबई में मैं इतने सालों से रह रही हूं लेकिन दिल्ली का जो खाना है, वो वहां मिलता ही नहीं है। दिल्ली का स्ट्रीट फूड कमाल का है, गोलगप्पे टेस्टी होते हैं। मैं जब भी आती हूं तो हर दिन कुछ ना कुछ ट्राई करती ही हूं। कोई अगर दिल्ली की बुराई करता है तो वो भी मुझे पसंद नहीं आता। मैं हमेशा दिल्ली के बारे में अच्छी बात सुनना चाहती हूं। (हंसते हुए) अगर मुझे मुंबई में कोई ये कहता है कि दिल्ली में बहुत प्रदूषण है तो मैं ये भी पूछती हूं कि मुंबई में कितना है?

श्फिल्म के गाने बनाने में समय लग गयाश

साइलेंट फिल्म के साथ बतौर प्रोड्यूसर वापसी करना और फिल्म की स्क्रीनिंग के लंबे समय बाद रिलीज करना कितनी बड़ी चुनौती थी? इस बारे में वह कहती हैं, श्जब हमने स्क्रीनिंग की थी तो हमारा मकसद था कि इतना बड़ा स्टेप उठाने पर लोगों का रिएक्शन कैसा रहेगा, जो कि काफी अच्छा था। फिर हमने एक बड़ा बदलाव किया कि फिल्म का संगीत पांच भाषाओं में बनाएंगे, क्योंकि फिल्म में डायलॉग नहीं थे।

एक्ट्रेस का आरोप- छुपकर बनाया वीडियो

बेंगलुरु में एक कन्नड़ टीवी एक्ट्रेस ने 7 फरवरी को कोरमंगला इंडोर स्टेडियम में आयोजित सेलिब्रिटी विमेंस क्रिकेट के दौरान वॉशरूम में गुप्त रूप से वीडियो बनाने और पैसे न देने पर उसे ऑनलाइन वायरल करने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इसके बाद पुलिस ने 13 फरवरी को इस मामले में थ्प्त दर्ज कर जांच शुरू की। न्यूज एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस एक रियलिटी शो की कंटेस्टेंट भी रह चुकी हैं। शिकायत के मुताबिक, वह तीन दिन तक चले सेलिब्रिटी विमेंस क्रिकेट में शामिल हुई थीं। 7 फरवरी को इवेंट के दूसरे दिन जब वह स्टेडियम के अंदर बने महिलाओं के वॉशरूम में गईं, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी जानकारी के बिना उनका आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड कर लिया।

इस हफ्ते थिएटर में एंटरटेनमेंट का धमाका

फरवरी महीने का तीसरा हफ्ता सिनेमालवर्स के लिए एंटरटनेमेंट की तगड़ी डोज लेकर आया है. दरअसल इस वीक थिएटर में दिल को छू लेने वाली लव स्टोरी और दिलचस्प कोर्टरूम ड्रामा से लेकर मजेदार रीजनल मूवीज और हॉलीवुड सस्पेंस थ्रिलर तक कई नई फिल्में रिलीज हो रही हैं. ऐसे में अगर आप इस वीकेंड मूवी देखने जा रहे हैं, तो आपके पास सिलेक्ट करने के लिए काफी ऑपशन मौजूद रहने वाले हैं.चलिए यहां 16 से 22 फरवरी के बीच थिएटर में रिलीज हो रही फिल्मों की पूरी लिस्ट चेक कर लेते हैं. दो दीवाने शहर में 'दो दीवाने शहर में' में सिद्धांतु चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर की जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर एक साथ नजर आएगी. ये रोमांटिक ड्रामा 20 फरवरी को थिएटर में रिलीज हो रही है. रवि उदयवार द्वारा डायरेक्टेड और संजय लीला भंसाली द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म मुंबई के दो अजीब मिलेनियल्स को दिखाएगी, जो खुद को एक्सेप्ट करने के लिए स्ट्रगल करते हुए प्यार पाते हैं. लीड जोड़ी के अलावा, फिल्म में इला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, विराज गहलानी और संदीपा धर भी हैं. तापसी पन्नू एक और जबरदस्त ड्रामा के साथ बड़े पर्दे पर कमबैक कर रही हैं. ये फिल्म 20 फरवरी को थिएटर में रिलीज होने वाली है. ये एक जबरदस्त कोर्टरूम ड्रामा है जिसकी कहानी एक बहादुर वकील के इर्द–गिर्द घूमकी है।

जतीन सरना, मधुरिमा रॉय और प्रणय पचौरी स्टारर 'ना जाने कौन आ गया' का ट्रेलर रिलीज

बहुप्रतीक्षित हिंदी फीचर फिल्म ना जाने कौन आ गया का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो चुका है जतीन सरना, मधुरिमा रॉय और प्रणय पचौरी स्टारर दमदार कलाकारों से सजी इस फिल्म का निर्देशन विकास अरोड़ा ने किया है। फिल्म का निर्माण विपुल धवन और पूजा अरोड़ा ने किया है। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट मौजूद रही। जतीन सरना, मधुरिमा रॉय और प्रणय पचौरी के साथ निर्माता पूजा अरोड़ा, को–प्रोड्यूसर रीत अरोड़ा और निर्देशक विकास अरोड़ा ने मीडिया से बातचीत की। वहीं निर्माता विपुल धवन ने अपनी शुभकामनाएं भेजीं। इवेंट का माहौल फिल्म की भावनात्मक और जोशीला नजर आया। 2 मिनट 26 सेकंड का यह ट्रेलर एक दिल छू लेने वाली लाइन से शुरू होता है "प्यार बड़ी कमाल की फीलिंग्स होती है।" इसके साथ ही जतीन सरना और मधुरिमा रॉय की मासूम और खूबसूरत लव स्टोरी की झलक सामने आती है। उत्तराखंड की वादियों में फिल्माए गए रोमांटिक सीन इस प्रेम कहानी को और भी खूबसूरत बना देते हैं। बर्फ से ढकी पहाड़ियां, शांत झीलें और प्यार भरे पल ट्रेलर का हर फ्रेम इमोशन से भरपूर है। दोनों कलाकारों की केमिस्ट्री बेहद नैचुरल और दिल को छू लेने वाली लगती है।

ट्रेलर के अगले दृश्य में कुछ इंटेंस फ्लैशबैक सीन के जरिए प्रणय पचौरी के किरदार की एंट्री होती है, जो इस प्रेम कहानी को एक जटिल लव ट्राएंगल में बदल देती है। मधुरिमा रॉय के साथ उनका रिश्ता कहानी में नया मोड़ और भावनात्मक टकराव लेकर आता है। ट्रेलर में प्यार, तकरार, अधूरापन और खुद को तलाशने की जद्दोजहद को बेहद खूबसूरती से दिखाया गया है। खासतौर पर जतीन सरना और प्रणय पचौरी के बीच के टकराव वाले सीन और दमदार डायलॉग्स काफी प्रभाव छोड़ते हैं। ट्रेलर के आखिर में एक संवाद गूंजता है, जो सीधे दिल पर असर करता है ध"एक शख्स पूरा है३ और दूसरा खुद को ढूंढ रहा है।" फिल्म का टाइटल ट्रैक, जिसे रेखा भारद्वाज ने अपनी आवाज में गाया है, ट्रेलर को भावनात्मक ठहराव देता है। वहीं 'मैं नहीं जानता' गाना कहानी के उस मोड़ पर सुनाई देता है जहां दिल टूटने और जुदाई का एहसास गहराता है। कुल मिलाकर, ना जाने कौन आ गया का ट्रेलर एक ऐसी इमोशनल लव स्टोरी है जो सिर्फ रोमांस नहीं, बल्कि रिश्तों की सच्चाई और खुद की तलाश की कहानी भी बताती है। दमदार अभिनय, खूबसूरत लोकेशन, इंटेंस डायलॉग्स और दिल छू लेने वाला संगीत की झलक ट्रेलर में देखी जा सकती है लॉन्च के अवसर पर जतिन सरना ने कहा, "यह फिल्म प्रेम की संवेदनशीलता को सामने लाती है। मेरा किरदार कई परतों वाला है वह गहराई से प्रेम करता है, लेकिन भावनात्मक रूप से पूर्ण नहीं हो पाता। मुझे विश्वास है कि दर्शक उसकी ईमानदारी से जुड़ाव महसूस करेंगे।"मधुरिमा रॉय ने कहा, "यह कहानी आधुनिक रिश्तों में लिए गए फैसलों और उनके परिणामों पर आधारित है। ट्रेलर में दिखाई देने वाली केमिस्ट्री उस भावनात्मक यात्रा का हिस्सा है, जिसे हमने उत्तराखंड में शूटिंग के दौरान महसूस किया।"प्रणय पचौरी ने बताया, "मेरा किरदार कहानी में अनिश्चितता लाता है। यह सिर्फ एक प्रेम त्रिकोण नहीं है, बल्कि खुद्द को खोजने और भावनात्मक संघर्ष की कहानी भी है।"निर्देशक विकास अरोड़ा ने कहा, "ना जाने कौन आ गया" प्रेम को रूढ़ियों से परे दिखाने का प्रयास है। यह पहले स्वयं को समझने और फिर किसी और को समझने की मनमोहक यात्रा है। उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता इस फिल्म में एक मौन पात्र की तरह उभरकर सामने आई है।"

शुभ वरीक्षा कार्यक्रम: संस्कार और सामर्थ्य का अनूठा संगम, आशुतोष दीक्षित के आँगन में गूँजी शहनाई

प्रधान संतोष दीक्षित के यहाँ आयोजित समारोह में शामिल हुईं क्षेत्र की राजनीतिक-सामाजिक हस्तियाँ

लालगंज रायबरेली। पाटन क्षेत्र के ममरेजपुर गांव में गुरुवार को पारंपरिक रीति–रिवाजों, आत्मीयता और भव्यता के बीच आयोजित शुभवरीक्षा समारोह उल्लासपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। ग्राम प्रधान संतोष दीक्षित के भतीजे आशुतोष दीक्षित और लालगंज के भाजपा नेता कैलाश बाजपेई की पुत्री अंकिता बाजपेई के वरीक्षा कार्यक्रम शुभ अवसर पर दोनों परिवारों के रिश्तेदारों के साथ–साथ क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक व्यक्तित्वों की उपस्थिति ने समारोह को और भी गरिमामय बना दिया। कार्यक्रम का आयोजन ममरेजपुर गांव के ग्राम प्रधान संतोष दीक्षित के आवास पर किया गया, जहाँ सुबह से ही मंगलगीतों और शहनाई की मधुर ध्वनि के बीच उत्सव जैसा वातावरण बना रहा। शुभ मुहूर्त में जब वधू के पिता व लालगंज कस्बे के प्रतिष्ठित ज्वैलर्स व्यवसायी एवम सरस्वती शिशु मन्दिर के प्रबंधक,भाजपा सभासद कैलाश बाजपेई अपने परिजनों और इष्ट–मित्रों के साथ वर पक्ष के द्वार पहुँचे, तो उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। पुष्पवर्षा, मंगलगीत और

आदर–सत्कार ने पूरे वातावरण को उत्साह से भर दिया। वरीक्षा की रस्म विधि–विधान के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने समारोह के प्रति आशीर्वाद देते हुए युगल जोड़ी के उज्ज्वल और सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। समारोह के दौरान वधू पक्ष के वरिष्ठ सदस्य आदित्य बाजपेई ने कहा कि वरीक्षा केवल एक परंपरागत रस्म नहीं, बल्कि बेटी के नए जीवन की मंगल शुरुआत का प्रतीक है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपनी बेटी के लिए संस्कारी और शिक्षित परिवार मिला है, जो उनके लिए गर्व की बात है। वरीक्षासमारोह की रस्म के पश्चात वर पक्ष की ओर से ग्राम प्रधान संतोष दीक्षित तथा अशोक दीक्षित ने पूर्व में वधू पक्ष द्वारा रिंग सेरेमनी के दौरान हुए भव्य स्वागत और उत्कृष्ट प्रबंध के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने दोनों परिवारों के बीच स्नेह और विश्वास के रिश्ते को और अधिक प्रगाढ़ कर दिया है। वरीक्षा समारोह के संपन्न होने के साथ ही दोनों परिवारों में आगामी विवाह की तैयारियाँ भी तेज हो गई हैं। पारंपरिक गरिमा और आधुनिक व्यवस्था के संतुलन के साथ सम्पन्न यह आयोजन क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। समारोह में क्षेत्र की अनेक प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति भी रही। इनमें पूर्व विधि एवं न्याय मंत्री गिरीश नारायण पाण्डेय के सुपुत्र एवं वरिष्ठ भाजपा नेता तथा बाल कल्याण समिति अध्यक्ष अनंत पाण्डेय (अनूप पाण्डेय), पूर्व विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह, भारतीय जनता पार्टी के प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला ,अशोक शुक्ला एडवोकेट, ब्लॉक प्रमुख योगेश बाजपेई, चेयरमैन लालगंज प्रतिनिधि दीपेंद्र गुप्ता, नि. चेयरमैन गोविन्द नारायण शुक्ल, राम गोपाल त्रिपाठी, राज कुमार बाजपेई, उमानाथ बाजपेई, विश्वनाथ बाजपेई, ललित बाजपेई, कौशिक बाजपेई, अर्पित बाजपेई हरी,आरएसएस के जिला व्यवस्था प्रमुख शिव कुमार त्रिवेदी, बच्चा पांडे,भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, प्रिंसिपल सत्येंद्र शुक्ला, पूर्व विधानसभा संयोजक चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, दिनेश दीक्षित, आलोक बाजपेई, देश दीपक पाण्डेय, नीरज पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, समीर मिश्रा, अमन बाजपेई सहित अनेक शिक्षाविद, सामाजिक प्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

व्यापार मंडल अध्यक्ष केडी ठाकुर ने कार्यकारिणी को वितरण किया सदस्यता प्रमाण पत्र

लालगंज रायबरेली। उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के दो सड़का बाजार अध्यक्ष राज विक्रम सिंह उर्फ केडी ठाकुर ने अपनी कार्यकारिणी को घोषित करते हुए व्यापारियों को सदस्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि राघवेंद्र चौहान महामंत्री, आदर्श सिंह कोषाध्यक्ष,मयंक दीक्षित भानु प्रताप सिंह वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अभिषेक और धीरज गौतम संगठन मंत्री, अंजनी शर्मा और प्रवीण सिंह उपाध्यक्ष बनाएगए हैं । केपी सिंह प्रसार मंत्री बनाए गए हैं ,अभिषेक चौहान शैलेश मंत्री बनाए गएहैं। विजय लक्ष्मी महिला प्रकोष्ठ मंत्री , रानी कौशल महिला संगठन मंत्री बनाई गई है। रणवीर सिंह युवा संगठन मंत्री बनाए गए हैं। संजय सिंह ठाकुर मीडिया प्रभारी बनाए गए हैं। इस अवसर पर बोलते हुए बाजार अध्यक्ष केडी ठाकुर ने कहा कि उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ही व्यापारियों का मजबूत संगठन है। व्यापारियों का हित उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल में ही सुरक्षित है। उल्लेखनीय है कि लालगंज नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा और जिला अध्यक्ष रोहित सोनी के नेतृत्व में गत सप्ताह दो सड़का बाजार संगठन का गठन हुआ है। उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों के सदस्यता प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम की सराहना कीहै।

एएमयू के दो शोधार्थी एरास्मसध मोबिलिटी कार्यक्रम रोमानिया के लिए चयनित

अलीगढ़,संवाददाता। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जाकिर हुसैन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के एप्लाइड केमिस्ट्री विभाग में डॉ. इनामुद्दीन के निर्देशन में कार्यरत शोधार्थी महा खान और इफरा खानम का चयन प्रतिष्ठित एरास्मसध केए171 मोबिलिटी कार्यक्रम (2022–2027 चक्र) के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षुता के लिए हुआ है। एएमयू और पॉलिटेक्निका यूनिवर्सिटी ऑफ टिमिसोआरा, रोमानिया के बीच हुए अंतर–संस्थागत समझौते के तहत दोनों शोधार्थी 28 फरवरी से 3 मई तक दो माह की शोध प्रशिक्षुता कार्यक्रम में भाग लेंगी। वे बायोफ्यूल सेल विकास के क्षेत्र में कार्य करेंगी। उल्लेखनीय है कि इस केए171 सहयोग के अंतर्गत भारत से चयनित केवल यही दोनों छात्राएं हैं। इस मोबिलिटी को संभव बनाने में डॉ. इनामुद्दीन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जो एएमयू में एरास्मसध कार्यक्रम के विभागीय समन्वयक हैं और रोमानियाई विश्वविद्यालय के साथ शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने में सक्रिय हैं। उनका शोध समूह एंजाइम आधारित बायोफ्यूल सेल तथा स्वच्छ ऊर्जा अनुप्रयोगों के लिए सतत बायोइलेक्ट्रोड पर उन्नत अनुसंधान कर रहा है। एरास्मस केए171 कार्यक्रम यूरोपीय संघ की प्रतिस्पर्धी पहल है, जो वैश्विक शैक्षणिक आदान–प्रदान और शोध सहयोग को बढ़ावा देती है।

एएमयू के भूविज्ञान विभाग के पांच छात्र सीएसआईआर -यूजीसी नेट एवं जेआरएफ में सफल

अलीगढ़,संवाददाता। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के पांच छात्रों ने दिसंबर 2025 में आयोजित संयुक्त सीएसआईआर–यूजीसी राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) में जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) तथा व्याख्याता एवं सहायक प्रोफेसर पात्रता श्रेणी में उल्लेखनीय अखिल भारतीय रैंक प्राप्त की है। अंता आसिम (एआईआर 20) और शोएब खान (एआईआर 32) ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिए सफलता प्राप्त की। व्याख्याता सहायक प्रोफेसर की योग्यता श्रेणी में अलीशा जहीर (एआईआर 38), दाराब जमील (एआईआर 44) और माज अहमद (एआईआर 85) ने उल्लेखनीय रैंक हासिल की। भूविज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. राशिद उमर ने छात्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी और कहा कि यह उपलब्धि उनकी मेहनत तथा विभाग की शैक्षणिक उत्कृष्टता और शोध उन्मुख वातावरण के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है।

एएमयू में यूनानी चिकित्सा संकाय द्वारा एक्स्ट्राम्यूरल व्याख्यान का आयोजन

अलीगढ़,संवाददाता। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के यूनानी चिकित्सा संकाय द्वारा अजमल खान तिब्बिया कॉलेज के सभागार में एक्स्ट्राम्यूरल व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 200 स्नातकोत्तर शोधार्थियों, इंटर्न चिकित्सकों और शिक्षकगण ने भाग लिया। मुख्य व्याख्यान जेएन मेडिकल कॉलेज, एएमयू के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के प्रो. अतहर अंसारी ने प्रस्तुत किया। उन्होंने समकालीन सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए निवारक स्वास्थ्य सेवाओं, शोध नवाचार और सामुदायिक सहभागिता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य क्षेत्र को केवल उपचार तक सीमित न रहकर जागरूकता, रोकथाम और अनुसंधान–आधारित हस्तक्षेपों पर भी समान रूप से ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यूनानी चिकित्सा संकाय के डीन प्रो. एस. एम. सफदर अशरफ ने अपने समापन वक्तव्य में वक्ता के विद्वत्तापूर्ण व्याख्यान की सराहना की और विद्यार्थियों को ऐसे शैक्षणिक मंचों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का समन्वय मनाफेउल अजा विभाग की डॉ. सबा जैदी ने किया।

विभिन्न भाषाओं और रहन–सहन के बावजूद आध्यात्मिकता ही भारत का मूल विचार है: अशोक

लालगंजरायबरेली। आरएसएस की प्रमुख जन गोष्ठी लालगंज के संघ कार्यालय में आयोजित की गई, जहां संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख डॉक्टर अशोक ने कहा कि आरएसएस देश के अधिकांश स्थानों पर शाखा के माध्यम से समाज जागरण का काम कर रहा है। इस अवसर पर, उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि संघ का उद्देश्य राष्ट्र के स्वाभिमान को जगाना और व्यक्ति निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि संघ की 100 वर्षों की यात्रा राष्ट्र के स्वाभिमान को जगाने और व्यक्ति निर्माण की यात्रा रही है। उन्होंने श्राष्ट्र साधनाश के महत्व को समझाते हुए

समाज के समक्ष श्पंच परिवर्तनश का विजन रखा और कहा कि शताब्दी वर्ष पर आरएसएस समाज के बीच सामाजिक समरसता ,कुटुंब प्रबोधन ,नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी के भाव के साथ काम कर रहा है। विभिन्न भाषाओं और रहन–सहन के बावजूद आध्यात्मिकता ही भारत का मूल विचार बताते हुए उन्होंने कहा कि हम सर्वे भवंतु सुखिना के अनुयाई है और हिंदू समाज और हिंदू संस्कृति का सर्वांगीण विकास करते हुए भारत राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाना ही संघ का उद्देश्य है। डॉ अशोक दुबे ने कहा कि संघ प्राचीन संस्कृति को ही आगे बढ़ाने का काम कर रहा है ,संघ का विचार हिंदू राष्ट्र अगर है तो पूर्व में भारत अखंड हिंदू राष्ट्र था। कालांतर की घटनाओं से हिंदुस्तान की सीमाओं का विघटन हुआ है लेकिन भविष्य में हिंदू राष्ट्र की परिकल्पना एक बार फिर साकार होगी। संघ की स्थापना को लेकर उन्होंने कहा कि क्रांतिकारी आंदोलन, कांग्रेस का गठन और समाज सुधार विचारधाराओं से निकलकर डॉक्टर हेडगेवार ने आरएसएस की स्थापना की थी। आज आरएसएस भारतीय नागरिकों का संगठन बन चुका है। कार्यक्रम का संचालन गोष्ठी के प्रमुख राजेश सोनी के द्वारा किया गया। विभाग प्रचारक अमित के द्वारा लोगों से विचार विमर्श भी किया गया।इस अवसर पर जिला संघ चालक रामचरन, जिला प्रचारक अजीत, नगर प्रचारक पुष्पम, राम गोपाल त्रिपाठी ,सुशील शुक्ला, उमेश सिंह,अशोक शुक्ला ,संजय चड्ढा, ऊधम जायसवाल,राजेंद्र यादव, प्रोफेसर अविनाश सिंह, राजेश सिंह फौजी ,अरुण कुमार सिंह, पवन सिंह, सत्येंद्र शुक्ला, हनुमान सिंह ,लायक सिंह, सतीश त्रिवेदी, धर्मेंद्र सिंह, बृजेंद्र सिंह, सुनील मिश्रा , नंदकुमार सिंह, अविनाश आदि लोग मौजूद रहे।

बिना लैंड यूज बदले बिना करा दी प्लाटिंग, अवैध खनन द्वारा की का रही मिट्टी की भराई

ऊंचाहार , रायबरेली । तहसील का जगतपुर क्षेत्र में राजस्व और खनन के नियमों को ताक पर रखकर भूमाफिया खेल कर रहे है । जिससे सरकार को बड़ा चूना लग रहा है । जिम्मेदारों की आंखे बंद है । जगतपुर विकास खंड में इस समय भूमि प्लाटिंग का बड़ा खेल चल रहा है । किसानों से कृषि दर पर भूमि खरीदकर बिना भू उपयोग परिवर्तन कराए व्यवसायिक प्लाटिंग हो रही है । यही नहीं इस भूखंड पर मिट्टी की भराई के लिए क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध खनन किया जा रहा है । जिसमें दर्जनों की संख्या में डंफर रात भर मिट्टी की ढुलाई कर रहे हैं । जगतपुर के बाई पास के कूड़ गांव के पास और शारदा सहायक नहर के किनारे भट्ट पुरवा पुल के पास प्लाटिंग का काम चल रहा है । यह भूमि कृषि हेतु है । इसका भू उपयोग परिवर्तन सक्षम अधिकारी द्वारा नहीं कराया गया है । जिससे राजस्व को भारी क्षति हुई है । यही नहीं दोनों स्थानों पर मिट्टी का अवैध खनन द्वारा मिट्टी भी डाली जा रही है । राजस्व विभाग के जिम्मेदार लोग इस अवैध कार्य पर आंखें बंद किए हुए है । मजेदार बात यह है कि एसडीएम को इसकी जानकारी ही नहीं है । एसडीएम राजेश श्रीवास्तव का कहना है कि इस बारे में उनके पास कोई शिकायत नहीं है । अब इसकी जांच कराई जाएगी , यदि कुछ भी नियम विरुद्ध मिला तो कार्रवाई होगी ।

तकनीकी रूप से सक्षम और रचनात्मक लोगो के लिए मीडिया में अपार संभावनाएं: फैज अब्बास

डिजिटल एकीकरण और एआई पर टिका है 21 सदी के मीडिया का भविष्य:–फैज अब्बास

रायबरेली। केन्द्रीय विद्यालय शिवगढ़, रायबरेली में आज पीएम श्री योजना के अंतर्गत '21वीं सदी के कौशलों में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया में भविष्य की संभावनाएं' विषय पर एक प्रेरणादायी व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनडीटीवी इंडिया के वरिष्ठ पत्रकार श्री फैज अब्बास मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कक्षा 7 से 11 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अपने संबोधन में श्री फैज अब्बास ने 21वीं सदी के कौशलों की आवश्यकता, नई शिक्षा नीति में उनकी अवधारणा तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की परिभाषा, स्वरूप, वर्तमान परिदृश्य, प्रासंगिकता तथा भविष्य में उपलब्ध व्यापक संभावनाओं को सरल एवं प्रभावी भाषा में स्पष्ट किया। उन्होंने विभिन्न मीडिया समूहों की कार्यप्रणाली, पत्रकारिता से जुड़े प्रमुख पदों एवं दायित्वों, तथा मीडिया क्षेत्र से संबंधित संस्थानों और उनकी प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी भी विद्यार्थियों को सहज रूप में प्रदान की। विद्यार्थियों ने पूरे सत्र में गंभीरता एवं जिज्ञासा के साथ सहभागिता करते हुए अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य श्री शमसुद दुहा ने की। संचालन हिंदी शिक्षक प्रशांत कुमार द्वारा किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापन अंग्रेजी शिक्षक अवधेश बाजपेयी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में श्री जे. एन. यादव, आशू मेहरोत्रा, सुशील शुक्ला, राजेश कुमार, अनुराधा तिवारी, सुषमा पाण्डेय शुक्ला, मनीष द्विवेदी, सतानंद यादव, नितिन सोनी एवं दीपक सिंह की उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

विज्ञान अंचलिक केंद्र लखनऊ का उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने किया भ्रमण

लालगंज ,रायबरेली। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक संसाधन केंद्र लालगंज से उच्च प्राथमिक विद्यालयों में अध्यनरत विभिन्न स्कूलों के मेधावी छात्रों ने विज्ञान आंचलिक केंद्र लखनऊ का एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया।इस भ्रमण कार्यक्रम का संयोजन व नेतृत्व राजीव कुमार ओझा खंड शिक्षा अधिकारी लालगंज द्वारा किया गया । खंड शिक्षा अधिकारी श्री ओझा ने बताया कि पूर्व में ब्लॉक स्तरीय विज्ञान क्विज प्रतियोगिता कराई गई थी उसमें चयनित मेधावी बच्चों का यह भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया है । वहीं शैक्षणिक भ्रमण में शामिल विद्यार्थियो ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि विज्ञान आंचलिक केंद्र में लगे हुए मॉडलो से उन्हें सीखने को बहुत कुछ मिला। वहां पर आयोजित विभिन्न प्रकार के चलचित्रों के द्वारा हमें सजीव जानकारी प्राप्त हुई व अपनी समझ को विस्तारित करने का अवसर प्राप्त हुआ द्यइस भ्रमण दल में मनोज अवस्थी, संतलाल, विश्वास बहादुर सिंह, ,आशीष प्रताप सिंह, अंकिता सिंह ,अंजनी देवी, अमित कुमार, राधेश्याम, बच्चों के साथ रहे स

संयुक्त शिक्षा निदेशक ने किया बोर्ड परीक्षा के दौरान औचक निरीक्षण

लालगंजरायबरेली। शुक्रवार को हाईस्कूल गणित और इण्टरमीडिएट की स्वास्थ्य कार्मिक परीक्षा प्रथम पाली के दौरान बैसवारा इण्टर कॉलेज में संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ. प्रदीप सिंह की टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान केन्द्र पर सकुशल, पारदर्शी और सुचितापूर्ण परीक्षा का संचालन पाया गया। शासन के समस्त दायित्वों का कुशल निर्वहन देखकर सफल परीक्षा संचालन हेतु परीक्षा प्रभारी सुनील त्रिपाठी, बाह्य केन्द्र व्यवस्थापक सविता वर्मा, स्टैटिक शशिकान्त त्रिवेदी तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. नरेन्द्र सिंह की संयुक्त शिक्षा निदेशक ने सराहना की तथा प्रधानाचार्य को एथलीट पत्रिका भी भेंट की । प्रथम पाली की कुशल एवं सफल परीक्षा सम्पन्न कराने में राजेन्द्र राठौर, पुनीत तिवारी, जितेन्द्र मौर्य, भवानी प्रसाद श्रीवास्तव, डॉ. शालिनी साहू, कनकलता सिंह, सरिता, संजू सिंह आदि की प्रमुख भूमिका रही ।

बरेली में डायल–112 को मिली 16 नई स्कॉर्पियो, अपराधियों पर कसेगा नकेल

बरेली। जनपद पुलिस को बड़ी मजबूती मिली है। एसएसपी ने डायल–112 सेवा के लिए 16 नई आधुनिक स्कॉर्पियो गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों के बेड़े में शामिल होने से आपातकालीन पुलिस प्रतिक्रिया और तेज होगी तथा अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगेगा। अधिकारियों ने बताया कि नई गाड़ियां अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं, जिससे शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी।

बाइक सवार सशस्त्र बदमाशों ने तमंचे की नोक पर एनटीपीसी संविदा कर्मी को लूटा

ऊंचाहार , रायबरेली । रात में अपने घर का रहे एनटीपीसी के संविदा कर्मचारी के साथ दो बाइक पर सवार आधा दर्जन सशस्त्र बदमाशों ने तमंचे की नोक पर लूट की घटना को अंजाम दिया है । लुटेरों ने उससे लैपटॉप , मोबाइल फोन आदि सामान छीन लिया और धमकी देकर फरार हो गए । सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की है ,किंतु अभी तक प्राथमिकी नहीं दर्ज की गई है। घटना गुरुवार रात करीब दस बजे की है । कोतवाली क्षेत्र के गांव पूरे बल्दी मजरे मिर्जापुर एहारी निवासी अंकित पाल एनटीपीसी की संविदा कंपनी पी एन कंस्ट्रक्शन में कंप्यूटर ऑपरेटर के पद पर तैनात है । गुरुवार की शाम को वह ऊंचाहार के एक होटल में दावत खाने गए थे । जहां से रात करीब दस बजे वह वापस बाइक से अपने घर जा रहे थे । उनका कहना है कि रास्ते में डिहवा के पास दो बाइक पर सवार आधा दर्जन सशस्त्र बदमाशों ने रास्ता पुछने के बहाने उन्हें रोक लिया । उसके पास पीछे से आकर दो बदमाशों ने उन्हें गिराकर दबोच लिया और तमंचे की नोक पर उनसे लैपटॉप , मोबाइल फोन , घड़ी , पर्स आदि सामान छीन लिया , और धमकी देकर भाग गए । घटना के बाद पीड़ित अपने घर पहुंचा और घर के मोबाइल फोन से उसने घटना की सूचना पुलिस को दी । सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल की छानबीन की है । पीड़ित ने बताया कि पुलिस ने आभी तक प्राथमिकी नहीं दर्ज की है । उधर कोतवाल अजय कुमार राय का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है।

ढाबे पर छलकाया जाम तो भुगतेंगे अंजाम

रायबरेली । होली पर्व को लेकर डीएम के निर्देश पर आबकारी विभाग ऐक्शन मोड पर है । आबकारी निरीक्षक खगेंद्र सिंह ने ऊँचाहार में शुक्रवार को ताबड़तोड़ छापेमारी में ढाबा, होटल संचालकों में खलबली मचा दी है । उन्होंने सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों को अंजाम भुगतने की चेतावनी देते हुए शालीनता से पर्व मनाने की अपील की है । आबकारी निरीक्षक ने शुक्रवार को छापेमारी की शुरुआत जगतपुर क्षेत्र से की । उन्होंने अंग्रेजी और देशी शराब की दुकानों पर छापा मारा और दुकान के स्टॉक के साथ साथ शराब की गुणवत्ता की भी जांच की । इसके बाद उन्होंने एक एक करके राजमार्ग के किनारे स्थित कई ढाबों पर छापा मारा । इस दौरान कही कुछ भी आपत्तिजनक तो नहीं मिला किंतु उन्होंने सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने और हुड़दंग करने वालों को कड़ी चेतावनी दी । इसके बाद आबकारी टीम ने ऊंचाहार क्षेत्र के मॉडल शॉप , भैंसापुर सवैया , एनटीपीसी गेट नंबर दो , उसरैना आदि शराब की दुकानों पर छापा मारा । उन्होंने ऊंचाहार के कई होटल संचालकों को अपने प्रतिष्ठान ने शराब न पिलाने के निर्देश दिए । इस टीम में आबकारी निरीक्षक के अलावा अमरेंद्र सिंह , अरविंद कुमार और राम जानकी शामिल थे ।